राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

# दिव्य दिनकर

एक निडर सच का दर्पण | रांची और पटना से एक साथ प्रकाशित

8

वर्ष 12 | अकं :215 रांची (झारखंड) शनिवार,17 मई 2025 | पेज - 08 | मूल्य: 2 | RNI NO- JHAHIN/2013/54373


## पंजाब पुलिस ने अंतरराष्ट्रीय ड्रग सिंडिकेट का किया भंडाफोड़, तरनतारन से 85 किलो हेरोइन बरामद

एजेंसी

**चंडीगढ़।** पंजाब पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ इस वर्ष की सबसे बड़ी कार्रवाई कर तरनतारन में अंतरराष्ट्रीय ड्रग सिंडिकेट का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने यहां से 85 किलो हेरोइन बरामद की है। यह नेटवर्क पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई के संरक्षण में काम कर रहा था। जिसे यूके का ड्रग हैंडलर लल्ली संचालित करता था। पंजाब पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने शुक्रवार को बताया कि भारत में इस नेटवर्क के मुख्य संचालक अमृतसर के गांव भिट्टेवाड़ निवासी अमरजोत सिंह उर्फ जोता संधू है। जिसे पुलिस ने गिफ्तार किया था। इस अमरजोत सीमा पार के तस्करों से ड्रग्स की खेप प्राप्त कर उन्हें पंजाब के

विभिन्न हिस्सों में सप्लाई करता था। पुलिस ने अमरजोत की गिरफ्तारी के बाद उसके घर पर डापा मारा था। अमरजोत ने इस नेटवर्क का मुख्य ठिकाना बना घर ही बना रखा था। डीजीपी यादव ने बताया कि पुलिस ने उसके ठिकाने से 85 किलो हेरोइन बरामद की है। इस संबंध में एफआईआर दर्ज कर ली गई है और आगे की जांच जारी है। डीजीपी ने बताया कि यह नेटवर्क पाकिस्तान से संचालित हो रहा था और इसमें आईएसआई की संलिप्तता के संकेत मिले हैं। पुलिस नेटवर्क के पिछले और आगे के संबंधों की गहराई से जांच कर रही है। एसएसपी तरनतारन अभिमन्यु राणा ने बताया कि इस मामले में सक्रियता से और सुरागों की छानबीन की जा रही हैं। आने वाले दिनों में और गिरफ्तारियां तथा बरामदगी होने की संभावना है।

### केजरीवाल ने पंजाब में चल रहे ड्रग्स के खिलाफ युद्ध के बीच 'नशा मुक्ति यात्रा' की घोषणा की

**नई दिल्ली।** आम आदमी पार्टी (आआपा) के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने पंजाब में चल रहे ड्रग्स के खिलाफ युद्ध के बीच शुक्रवार को 'नशा मुक्ति यात्रा' की घोषणा की। जिसे राज्य में नशीली दवाओं के दुरुपयोग को खत्म करने के लिए सरकार ने शुरू किया। इस प्रयास में उनके साथ पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान भी होंगे। उन्होंने कहा कि नशीली दवाओं के दुरुपयोग और नशीली दवाओं की बिक्री के खिलाफ लोगों के संकल्प को मजबूत करने के लिए 'नशा मुक्ति यात्रा' पंजाब के प्रत्येक गांव और वार्ड तक पहुंचेगी। आआपा के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि आज से पंजाब में नशा मुक्ति यात्रा शुरू हो रही है। यह यात्रा पंजाब के हर गांव और हर वार्ड में जाएगी। इस यात्रा के जरिए अब लोगों को नशा मुक्ति अभियान से जोड़ा जाएगा। हर गांव और हर वार्ड में लोग शपथ लेंगे कि वे खुद नशा नहीं करेंगे। इलाके में किसी को नशा नहीं बेचने देंगे और नशे के आदी लोगों का इलाज कराएंगे और उन्हें नशे की लत से बाहर निकालेंगे। केजरीवाल ने कहा कि पंजाब सरकार ने नशे के आदी लोगों के इलाज के लिए बड़े पैमाने पर इंतजाम किए हैं। पंजाब परिवार के तीन करोड़ सदस्य अब यह सुनिश्चित करेंगे कि वे पंजाब से नशे की लत को खत्म करें।

### आईसीजी ने समुद्र में डूबे मालवाहक जहाज के चालक दल को सुरक्षित बचाया

एजेंसी

**नई दिल्ली ।** भारतीय तटरक्षक बल (आईसीजी) ने मैंगलोर से लगभग 60-70 समुद्री मील दक्षिण-पश्चिम में डूबे मालवाहक जहाज एमएसवी सलामत से चालक दल के छह सदस्यों को सफलतापूर्वक बचाया है। इन सभी को प्राथमिक उपचार के बाद सुरक्षित रूप से न्यू मंगलौर पोर्ट लाया गया है, जहां बचाए गए चालक दल से बातचीत करके जहाज के डूबने की परिस्थितियों का पता लगाया जाएगा। स्थानीय अधिकारी बचाए गए चालक दल के साथ बातचीत करके जहाज के डूबने की परिस्थितियों का पता लगाएंगे। आईसीजी के कमांडर अमित उनियाल ने बताया कि मालवाहक जहाज एमएसवी सलामत 12 मई को मंगलौर बंदरगाह से रवाना होकर लक्षद्वीप के कदमत द्वीप के रास्ते सीमेंट और निर्माण सामग्री का मिश्रित माल ले जा रहा था। यह जहाज 14 मई को सुबह 5:30 बजे मैंगलोर से लगभग 60-70 समुद्री मील दक्षिण-पश्चिम में पानी में डूबने लगा और अंततः डूब गया। जहाज पर सवार चालक दल के छह सदस्य अपनी जान बचाने के लिए समुद्र में कूद गए और छोटी नाव में चढ़ गए। समुद्र से गुजर रहे पारगमन जहाज एमटी एपिक सुसुई ने कर्नाटक के सुरथकल के तट से लगभग 52 समुद्री मील दूर छह जीवित लोगों के साथ एक छोटी नाव को बहते हुए देखा।

### मप्र के इंदौर में मेट्रो रेलकर्मियों ने लगाए पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे, प्रधानमंत्री पर की अभद्र टिप्पणी

**इंदौर।** मध्य प्रदेश के इंदौर में मेट्रो रेलकर्मियों ने पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाने और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर अभद्र टिप्पणी करने का मामला सामने आया है। इंदौर शहर के गांधी नगर क्षेत्र में मेट्रो प्रोजेक्ट के एक कर्मचारियों ने प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की और 'पाकिस्तान जिंदाबाद' के नारे लगाए। साथ ही यह भी कहा कि पूरा भारत एक रात में साफ। एक आरोपित युवक की पहचान मोहम्मद जावेद पुत्र किताब अंसारी के रूप में हुई है। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर लिया है। मामले में श्री राजपूत करणी सेना की शिकायत पर गांधी नगर थाना पुलिस ने देश विरोधी गतिविधियों और प्रधानमंत्री पर अभद्र टिप्पणी करने को लेकर एफआईआर दर्ज की है। अन्य आरोपितों की तलाश की जा रही है। घटनाक्रम गुरुवार रात का बताया जा रहा है। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। सामने आए वीडियो में किचन में बैठे दो युवक नजर आ रहे हैं। इनमें से एक खाना बना रहा है और दूसरा तरबूज काट रहा है। एक युवक पाकिस्तान जिंदाबाद' के नारे लगाता है। इसके बाद दूसरा युवक कहता है कि भारत को एक रात में साफ कर देंगे। इसके बाद दोनों हंसने लगते हैं। वहां मौजूद एक तीसरा युवक वीडियो बना रहा था।

### स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद का दावा- डॉ. अंबेडकर मनु स्मृति से नहीं, संविधान से थे असंतुष्ट

**वाराणसी।** ज्योतिष्पीठाधीश्वर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती ने कहा कि लोग कहते हैं कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने मनुस्मृति को जलाया, मैं स्पष्ट कर दूं कि उन्होंने मनुस्मृति को नहीं जलाया। वह तो संविधान से असंतुष्ट थे और उसको जलाना चाहते थे। शंकराचार्य ने दावा किया कि बाबा साहेब ने मनुस्मृति को नहीं जलाया, वह एक ब्राह्मण गंगाधर सहस्त्रबुद्धे ने जलाई थी, लेकिन

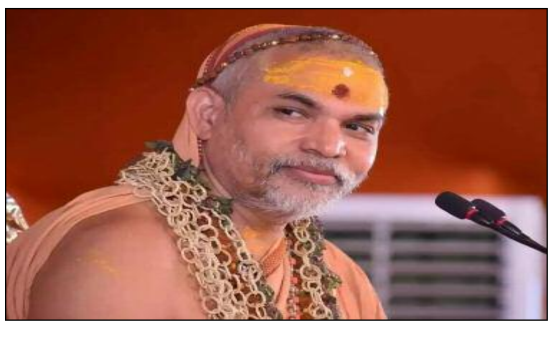

उस वक्त वो भी वहां मौजूद थे। इसलिए उनका नाम आ गया। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद केदारघाट स्थित श्री विद्यामठ में शुक्रवार को प्रवचन के दौरान बाबा साहेब से जुड़ी अह्म बातों की चर्चा कर रहे थे। उन्होंने कहा कि डॉ. अंबेडकर संविधान जलाना चाहते थे। जब डॉ. अंबेडकर से पूछा गया कि संविधान बनाने में तो आपकी विशेष भूमिका रही है फिर आप उसे क्यों जलाना चाहते हैं। इस पर उनका कहा था, मैंने एक मंदिर बनाया लेकिन उसमें यदि शैतान आकर रहने लगे तो फिर मुझे क्या करना चाहिए? बाबा साहब बाद में खुद संविधान से सन्तुष्ट नहीं थे। शंकराचार्य ने कहा कि मनुस्मृति में तो बिना भेदभाव के सबका धर्म बताया गया है। अम्बेडकरवादी लोगों को बाबा साहेब के उद्देश्यों को पूरा करने के लिए आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा कि सनातन ही एकमात्र धर्म है जिसमें यदि बेटा भी कुछ गलत करता है तो उसे भी वही सजा दी जाती है जो किसी अन्य को दी जाती। हर धर्म का एक ग्रन्थ होता है।

## 'ऑपरेशन सिंदूर' खतरे की वह लाल लकीर है, जो भारत ने आतंकवाद के माथे पर खींच दी : राजनाथ सिंह

### श्रीनगर के बाद भुज एयरबेस पर रक्षा मंत्री ने वायु योद्धाओं का हौसला बढ़ाया

एजेंसी

**भुज ।** रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुजरात के भुज एयर बेस से भारतीय वायुसेना के जवानों को संबोधित करते हुए पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान को एक बार फिर चेताया और कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' अभी खत्म नहीं हुआ है। जो कुछ भी हुआ, वह सिर्फ एक ट्रेलर मात्र था। जब सही समय आएगा, हम पूरी पिक्चर भी दुनिया को दिखाएंगे। रक्षा मंत्री ने 'ऑपरेशन सिंदूर' पर सेना को सफलता की बधाई देते हुए कहा कि मैं बस इतना कहूंगा कि आपके पराक्रम ने यह दिखा दिया कि यह वो सिंदूर है, जो श्रृंगार का नहीं, बल्कि शौर्य का प्रतीक है। यह वो सिंदूर है, जो सौंदर्य का नहीं, बल्कि संकल्प का प्रतीक है। यह सिंदूर, खतरे की वह लाल लकीर है, जो भारत ने अब आतंकवाद के माथे पर खींच दी है। मैं इस अवसर पर, आप सभी के साथ-साथ, देश की जनता का भी आभार प्रकट करता हूं। भारत की जनता ने, एकजुटता और समझदारी का परिचय देते हुए, आपका सहयोग किया। इस लड़ाई में न केवल सरकार, आर्म्ड फोर्सेज और सुरक्षाबल एकजुट थे, बल्कि भारत का हर नागरिक, एक सिपाही की तरह इसमें भागीदार बना। उन्होंने कहा कि हम, हमारे आराध्य श्रीराम के उस मार्ग का अनुसरण करते हुए आगे बढ़ रहे हैं, जिसमें वह आसुरी शक्तियों के विनाश का प्रण लेते हैं। ÷निसिचर हीन करउँ महि, भुज उठाइ पन

कीन्ह।÷ अर्थात जिस प्रकार भगवान राम ने, अपनी भुजाओं को उठाकर, धरती को राक्षस विहीन करने का प्रण लिया था। ठीक उसी प्रकार, प्रभु श्री राम के आदर्शों का पालन करते हुए, हमने भी आतंकवाद को, जड़ से खत्म करने का संकल्प लिया है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, ÷आपने पाकिस्तान में मौजूद आतंकी बुनियादी ढांचे के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई की है लेकिन, पाकिस्तान इस कोशिश में लग गया है कि ध्वस्त हुए आतंकी ढांचे को फिर से खड़ा किया जाए। वहां की सरकार पाकिस्तानी आम लोगों से लिया गया टैक्स जैश-ए-मोहम्मद जैसे आतंकी जैसे मसूद अजहर को करीब 14 करोड़ रुपए देने में खर्च करेगी। जबकि वह यूएन से आतंकी घोषित हो चुका है। पाकिस्तान अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) से प्राप्त धन का एक बड़ा हिस्सा अपने देश में आतंकवादी बुनियादी ढांचे पर खर्च करेगा, ऐसा मेरा मानना है। भारत चाहता है कि आईएमएफ पाकिस्तान को दिए जाने वाले वित्त पोषण पर पुनर्विचार करे, और आगे भी किसी भी तरह की सहायता देने से आईएमएफ परहेज करे। उन्होंने कहा कि आप सब तो जानते ही होंगे कि भारत में जब भी कोई उपद्रवी तत्व पैदा होता है, जिसको लेकर यह आशंका रहती है कि यह भविष्य में कुछ उपद्रव कर सकता है, तो उसको मजिस्ट्रेट एवं पुलिस द्वारा गुड बिहेवियर के प्रोबेशन पर रखा जाता है। अगर वह व्यक्ति प्रोबेशन के दौरान कोई भी शरारत करता है, तो उसे उचित दंड दिया जाता है। ठीक उसी तरह, वर्तमान सीजफायर में, हमने पाकिस्तान को बिहेवियर के आधार पर अभी प्रोबेशन पर रखा हुआ है। यदि उसका बिहेवियर सुधरता है, तब तो ठीक और यदि बिहेवियर में फिर से गड़बड़ी आती है, तो उसको कड़े से कड़ा दंड दिया जाएगा। मैं फिर से कह रहा हूं, पाकिस्तान को हमने प्रोबेशन पर रखा है। प्रधानमंत्री ने हाल ही में एक बात बहुत साफ कही है कि आतंक पर प्रहार अब न्यू नॉर्मल है। ये न्यू इंडिया का न्यू नॉर्मल है। अब हमने यह साफ कर दिया है कि हमारी संप्रभुता को यदि कोई नुकसान पहुंचाएगा।

## इंडिया ब्लॉक को जनता पहले ही नकार चुकी, चिदंबरम जैसे नेता अब समझ रहेः राजीव चंद्रशेखर

एजेंसी

**दिल्ली ।** कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री पी. चिदंबरम ने कहा है कि इंडिया ब्लॉक बिखर रहा है। उनके इस बयान पर भाजपा की केरल इकाई के अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने कटाक्ष किया। कांग्रेस की हार का इतिहास याद दिलाते हुए कहा कि उन्हें बहुत देर से गठबंधन की सच्चाई समझ आई। राजीव चंद्रशेखर ने बात करते हुए कहा, 'भारत की जनता बहुत पहले यह निर्णय ले चुकी है। जनता ने 2019 में निर्णय लिया, 2024 में निर्णय लिया। कांग्रेस के कुछ नेता भी अब इसे स्वीकार कर रहे हैं। भाजपा नेता ने आगे कहा, कोई भी राजनीतिक गठबंधन जिसका आधार अवसरवादिता है, भ्रष्टाचार है, जो वंशवाद को बढ़ावा देती है, और जो

सिर्फ प्रधानमंत्री के विरोध के नाम पर बनी है, क्या उसे कभी भी भारत के लोगों का समर्थन मिल पाएगा? भारत की जनता ने भाजपा और नरेंद्र मोदी को एक भरोसेमंद ताकत के रूप में स्वीकार किया है। भाजपा एकमात्र ऐसी पार्टी है जो देश के मूल्यों में विश्वास करती है और राजनीति को लोगों के जीवन को विकसित करने का जरिया मानती है। प्रधानमंत्री देश के विकास के लिए सातों दिन और चौबीस घंटे काम करते हैं। देश को समृद्ध बनाना, ताकतवर बनाना, उनकी राजनीति का आदर्श है। यही वजह है भाजपा और नरेंद्र मोदी को लगातार जनता का समर्थन मिल रहा है। इंडिया ब्लॉक अपने भ्रष्टाचार को छुपाने और नरेंद्र मोदी का विरोध करने के नाम पर बना गठबंधन है। ऐसे गठबंधन को जनता कभी स्वीकार नहीं करेगी। पूर्व केंद्रीय गृह और वित्त मंत्री पी चिदंबरम ने कहा था, इंडिया ब्लॉक का भविष्य उज्जवल नहीं है, मुझे नहीं लगता कि गठबंधन में शामिल दल और नेता एकजुट हैं। यह एक कमजोर गठबंधन लगता है। अगर यह बरकरार रहा तो मुझे बेहद खुशी होगी। मौजूदा समय में देश में बीजेपी से सशक्त कोई दूसरा राजनीतिक दल नहीं है। चिदंबरम के बयान के बाद भारतीय जनता पार्टी हमलावर हो गई है। भाजपा के प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने आईएनएस से बात करते हुए कहा, पी चिदंबरम ने कांग्रेस पार्टी को आईना दिखाया है। इंडिया ब्लॉक बिना किसी मिशन, नीति और नेता का गठबंधन है। गठबंधन के सभी दल अपने भ्रष्टाचार को छुपाने और मोदी विरोध के नाम पर एक साथ हैं, लेकिन इनमें एकजुटता नहीं है।

### व्यापारियों ने तर्किये के सेबों का बहिष्कार करके देश भक्ति का परिचय दिया : मुख्यमंत्री

एजेंसी

**नई दिल्ली।** मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने व्यापारियों द्वारा तुर्किये की वस्तुओं के बहिष्कार का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि भारत के खिलाफ और आतंक के समर्थक देशों के साथ व्यापार और संबंध बंद होने चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि व्यापारियों ने तर्किये के सेवों का बहिष्कार करके अपनी देश भक्ति का परिचय दिया है। यह बातें मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को आजादपुर मंडी का निरीक्षण करने के दौरान कही। निरीक्षण के दौरान दिल्ली के श्रम कपिल मिश्रा भी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि दिल्ली की सभी मंडियों की हालत बहुत दयनीय है। इन मंडियों में बुनियादी सुविधाओं का अभाव है। पिछले 10-15 सालों से इन मंडियों में कोई काम नहीं हुआ।मुख्यमंत्री ने कहा कि आम आदमी पार्टी की सरकार ने मंडियों को भ्रष्टाचार का अड्डा बना दिया था। उन्होंने कहा कि हजारों

मजदूर और सैकड़ों व्यापारी इन मंडियों में काम करते हैं लेकिन फिर भी यहां न सफाई, न सड़क, न सुरक्षा व्यवस्था है। इन मंडियों में विकास का कोई काम नहीं हुआ है। दिल्ली को लंदन पेरिस बनाने का दावा करने वाली आआपा सरकार ने इन मंडियों को कूड़दान बनाया था।

## सेना का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान, सपा नेता का बयान निंदनीयः गौरव भाटिया

एजेंसी

**नई दिल्ली ।** भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने समाजवादी पार्टी पर देश विरोधी और जातिवादी बयानों का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि सपा का रवैया न केवल राष्ट्रहित के खिलाफ है, बल्कि यह समाज को बांटने और जातिगत विषैलापन फैलाने का भी प्रयास कर रहा है। गौरव भाटिया ने विंग कमांडर व्योमिका सिंह के अपमान का मुद्दा उठाते हुए सपा नेतृत्व से जवाब मांगा और उनके खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की। भाटिया ने कहा, 'पाकिस्तान को हमने सबक सिखाया है, लेकिन दूसरी ओर समाजवादी पार्टी लगातार देश विरोधी बयानबाजी और अब जातिगत टिप्पणियों में लिप्त है। सपा के राष्ट्रीय महासचिव रामगोपाल यादव को हमारी बहन, देश की शान विंग कमांडर व्योमिका सिंह का नाम तक नहीं पता। वे उन्हें 'दिव्या सिंह' कह रहे हैं। यह हमारी

सेना और उसकी वीरांगना का अपमान है। सेना का कोई धर्म या जाति नहीं होती, केवल एक धर्म होता है और वह है भारत। फिर भी सपा बार-बार जाति की बात उठाकर समाज को विभाजित करने का प्रयास कर रही है।'भाटिया ने सवाल उठाते हुए कहा, ÷क्या अखिलेश यादव रामगोपाल यादव के खिलाफ कोई कार्रवाई करेंगे? मुझे इसकी कोई उम्मीद नहीं है, क्योंकि सपा की मानसिकता ही देश विरोधी और समाज को तोड़ने वाली है। सपा का यह रवैया इसलिए है, क्योंकि वे नहीं चाहते कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश प्रगति करे।' उन्होंने इंडिया ब्लॉक पर भी तीखा हमला बोला। भाटिया ने कहा, 'यह गठबंधन वास्तव में एक 'ठगबंधन' था, जो भारत विरोधी मानसिकता की प्रयोगशाला में तैयार हुआ। इसका एकमात्र उद्देश्य पीएम मोदी को गाली देना और देश को कमजोर करना था। इसमें न नीति थी।

## सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल सरकार को 25 प्रतिशत डीए भुगतान का अंतरिम आदेश दिया

### सुवेंदु अधिकारी ने बताई कर्मचारियों की बड़ी जीत

एजेंसी

**नई दिल्ली/कोलकाता ।** सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल सरकार को राज्य कर्मचारियों को 25 प्रतिशत महंगाई भत्ता (डीए) का बकाया भुगतान करने का अंतरिम आदेश जारी किया। जस्टिस संजय करोल और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने यह आदेश देते हुए सरकार को तीन महीने के भीतर भुगतान पूरा करने का निर्देश दिया। इस आदेश के तहत, पश्चिम बंगाल सरकार को अपने कर्मचारियों को बकाए डीए का 25 प्रतिशत हिस्सा शीघ्र भुगतान करना होगा। मामले की अगली सुनवाई अगस्त में होगी। यह कदम राज्य कर्मचारियों के लिए बड़ी राहत के रूप में देखा जा रहा है। सुप्रीम कोर्ट के इस

फैसले पर पश्चिम बंगाल के नेता प्रतिपक्ष सुवेंदू अधिकारी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने लिखा, मैं सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस संजय करोल और संदीप मेहता के पश्चिम बंगाल सरकार को दिए गए इस निर्देश का स्वागत करता हूं, जिसमें उन्होंने सरकार को तुरंत 25 प्रतिशत बकाया डीए (महंगाई भत्ता) कर्मचारियों को देने को कहा है। उन्होंने आगे लिखा, यह फैसला पश्चिम बंगाल सरकार के कर्मचारियों की बहुत बड़ी जीत है। ये वही कर्मचारी हैं जो लंबे समय से राज्य सरकार की कठोरता और अन्याय के खिलाफ लड़ते आ रहे थे- पहले ट्रिब्यूनल और फिर सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचकर। भाजपा से संबद्ध कर्मचारी परिषद (राष्ट्रवादी पश्चिम बंगाल सरकार के कर्मचारियों का संघ) ने इस कानूनी लड़ाई में आगे बढ़कर नेतृत्व किया। इस जीत के लिए संगठन के सभी सदस्यों और पदाधिकारियों को बधाई, जिन्होंने ममता सरकार के दमन के खिलाफ आवाज उठाई।

## मुंबई क्राइम ब्रांच की बड़ी कार्रवाई 4 करोड़ की ड्रग्स बरामद, दो सप्लायर गिरफ्तार

एजेंसी

**मुंबई ।** मुंबई क्राइम ब्रांच ने नशे के सौदागरों के खिलाफ कड़ा कदम उठाते हुए एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। क्राइम ब्रांच की यूनिट 5 ने जोगेश्वरी इलाके में दो ड्रग्स सप्लायरों को गिरफ्तार किया और उनके कब्जे से 2 किलोग्राम एमडी ड्रग्स बरामद किया। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इस ड्रग्स की

कीमत लगभग 4 करोड़ रुपये आंकी गई है। जानकारी के अनुसार, क्राइम ब्रांच की टीम को जोगेश्वरी बस डिपो के पास दो संदिग्ध व्यक्तियों पर शक हुआ। तलाशी लेने पर उनके पास से भारी मात्रा में एमडी ड्रग्स मिला। दोनों आरोपियों के खिलाफ अंबोली पुलिस स्टेशन में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर उन्हें हिरासत में ले लिया गया। मुंबई क्राइम ब्रांच अब इस बात की गहन जांच कर रही है कि यह ड्रग्स कहां से लाया गया था और इसे किन-किन लोगों तक पहुंचाने की योजना थी। पुलिस को शक है कि यह एक बड़े ड्रग्स रैकेट का हिस्सा हो सकता है। बता दें कि पिछले माह अप्रैल में भी क्राइम ब्रांच को मुंबई से सटे मीरा-भायंदर इलाके में एक बड़ी सफलता हाथ लगी थी।

### गृहमंत्रालय ने टीएसआर की एक नई बटालियन के गठन को दी मंजूरी

एजेंसी

**अगरतला।** त्रिपुरा सरकार की मांग को स्वीकार करते हुए गृह मंत्रालय ने त्रिपुरा स्टेट राइफल्स (टीएसआर) की एक और इंडिया रिजर्व (आईआर) बटालियन के गठन को मंजूरी दे दी है। अब तक टीएसआर में 13 बटालियन हैं जो देश भर में उत्कृष्ट कार्य कर रही हैं जिनमें खासकर चुनाव ड्यूटी, आतंकवाद विरोधी अभियान और ओएनजीसी की अन्वेषण गतिविधियों में सुरक्षा संबंधी कार्य शामिल है। गृहमंत्रालय के इस आशय के फैसले की घोषणा करते हुए डॉ. साहा ने कहा ÷ यह त्रिपुरा के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। गृहमंत्रालय ने टीएसआर के लिए एक और इंडिया रिजर्व बटालियन के गठन को मंजूरी दी है जिससे सुरक्षा बढ़ेगी और रोजगार के अवसर पैदा होंगे। इससे देश का सुरक्षा आधार और मजबूत होगा।

## संक्षिप्त समाचार

### सड़क दुर्घटना में पति पत्नी सहित तीन लोग घायल

दिव्य दिनकर संवाददाता

मांडर - मांडर बुढ़मू रोड में दुमदुमिया टोंगरी के निकट शुक्रवार को सड़क दुर्घटना में बाइक पर सवार पति पत्नी सहित तीन लोग घायल हो गये. घायलों में बुढ़मू के उमेडंडा निवासी रुस्तम अन्सारी 29 वर्ष उसकी पत्नी निखत आरा 22 वर्ष व बेड़ो केसा के सोएब अंसारी शामिल हैं. तीनों को मांडर रेफरल अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद रिम्स रेफर किया गया है. घटना अपराहन करीब चार बजे की है. जानकारी के अनुसार रुस्तम अंसारी अपने ससुराल ककरगढ़ से अपनी पत्नी व एक साल की छोटी बच्ची को लेकर बाइक से अपने घर जा रहे थे. इसी क्रम में टोंगरी के निकट सामने से आ रहे स्कूटी सवार दो युवकों ने उनकी बाइक को ठोकर मार दिया. जिससे बाइक सहित सड़क पर गिरकर रुस्तम अंसारी घायल हो गये. बताया जा रहा है कि इस दौरान ही बुढ़मू की ओर से तेज गति से बाइक से मांडर की ओर जा रहा सोएब अंसारी सड़क पर गिरे रुस्तम अंसारी की बाइक से टकरा गया और खुद भी घायल हो गया!

### कपिध्वज समाज कोरियासा में रामचरितमानस नवाह महायज्ञ का ध्वजारोहण सम्पन्न

**देवघर।** कोरियास वार्ड नं- 10 कपिध्वज समाज कोरियासा स्थित बजरंगबली मंदिर प्रांगण में आगामी नौ दिवसीय श्री श्री 108 रामचरितमानस नवाह पारायण हवात्मक महायज्ञ की तैयारियों के तहत बुधवार को ध्वजा-रोहण कार्यक्रम संपन्न हुआ। ध्वजारोहण का आयोजन अयोध्या से पधारे प्रतिष्ठित विद्वान पंडित अवधेश शास्त्री के वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधिविधान के साथ किया गया। इस अवसर पर मंदिर प्रांगण भक्तिमय वातावरण में गूंज उठा। समिति के अध्यक्ष शैलेश दुबे ने जानकारी देते हुए बताया कि 28 मई को कलश यात्रा के साथ नौ दिवसीय संगीतमय राम कथा, प्रवचन एवं हवन का शुभारंभ होगा। इस धार्मिक आयोजन में दूर-दराज से श्रद्धालुओं के शामिल होने की संभावना है। कार्यक्रम में समिति के सचिव धर्मेन्द्र रमानी, कोषाध्यक्ष कार्तिक दास, उप सचिव बद्री रमानी, पंकज दुबे, मीडिया प्रभारी मुरारी मंडल, अजय साह, भैरव दास, ललन सिंह, सुकदेव रमानी, वीरेंद्र साह, रंजन दुबे, उदय रमानी समेत अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।

### हाइवा व मोटरसाइकिल में हुई टक्कर, मोटरसाइकिल चालक घायल

**मंडरो:** मिर्जाचौकीझमंडरो मुख्य सड़क निमगाछी में तेज रफ़्तार हाइवा ने मोटरसाइकिल jh17 T 4755 को मारा धक्का,मंडरो हरला के शिक्षक रॉबेल गंभीर रूप से घायल,स्थानीय युवाओं ने घायल शिक्षक को पहुंचाया प्रायवेट अस्पताल। मिली जानकारी के अनुसार शिक्षक मंडरो से मिर्जाचौकी की तरफ आ रहे थे तभी निमगाछी सड़क पर हाइवा से धक्का लग गया। जिसके बाद घायल शिक्षक को प्रायवेट अस्पताल में भर्ती कराया गया। हेलमेट पहने रहने के कारण शिक्षक को चोट कम आई। वही मामले की जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची मिर्जाचौकी पुलिस। निमगाछी सड़क पर लोगों की भीड़ उमड़ गई। धक्का लगने के बाद हाइवा jh 16E 1952 को सड़क से हटा दिया गया। वही बताया गया की सड़क पर हाइवा चालक तेज गति से वाहन चलाते है। सड़क पर वाहनों की लंबी कतार लग जाती है। जिससे दुर्घटना होने की संभावना बढ़ जाती है। मिजाचौकी पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है।

### राष्ट्रीय डेंगू दिवस पर डी ए वी विद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

रिपोर्ट- अविनाश मंडल

पाकुड़ःपाकुड़ स्थानीय विद्यालय डी ए वी पब्लिक स्कूल के प्रांगण में शुक्रवार को राष्ट्रीय डेंगू दिवस के उपलक्ष्य में विद्यालय के छात्र छात्राओं को डेंगू के विषय में जानकारी दी गई एवं अपने पास पड़ोस के लोगों को जागरूक करने हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए। इस कार्यक्रम में डेंगू के बारे में विस्तृत रूप से चर्चा की गई जिसमें डेंगू के लक्षण एवं बचाव के बारे में विशेष बल दिया गया। बच्चों को स्वच्छ परिवेश में रहने हेतु प्रेरित किया गया एवं मच्छरों से बचाव हेतु आवश्यक कदम उठाने को कहा गया। इस कार्यक्रम में स्वस्थ विभाग के डॉ अमित कुमार, डॉ गुफरान आलम, अंकित कुमार, राजकिशोर प्रसाद एवं शांतनु मंडल सक्रिय रहे। इस कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु विद्यालय प्राचार्य डॉ विश्वदीप चक्रवर्ती का मुख्य सहयोग रहा।

### बाल श्रमिक उन्मूलन समिति, जिला टास्क फोर्स व बंधुआ निगरानी समिति की संयुक्त बैठक आयोजित

**साहिबगंज:** जिला कार्यालय प्रकोष्ठ में उपायुक्त हेमंत सती की अध्यक्षता में बाल श्रमिक उन्मूलन समिति, जिला टास्क फोर्स तथा बंधुआ निगरानी समिति की संयुक्त बैठक संपन्न हुई ।बैठक में पिछले बैठक में दिये गई निर्देश के अनुपालन की जानकारी ली व जिले में बाल श्रम व बंधुआ श्रम से जुड़ी स्थिति की समीक्षा की गई तथा आगामी कार्ययोजना पर चर्चा कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये ।बैठक में श्रम अधीक्षक धीरेंद्र कुमार महतो, जिला बाल संरक्षण पदाधिकारी पूनम कुमारी एवं अन्य उपस्थित थी। सभी पदाधिकारी ने अपने विभागों की गतिविधियों की जानकारी दी और आपसी समन्वय के साथ अभियान को और प्रभावी बनाने पर सहमति जताई।

# भाजपा ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता पर निकाली तिरंगा यात्रा

**देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा**

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता और देश की सेना के सम्मान में शुक्रवार को भाजपा देवघर जिला की ओर से तिरंगा यात्रा निकाली गई। भाजपा जिलाध्यक्ष सचिन रवानी के नेतृत्व में शिवलोक परिसर से वीर कुंवर सिंह चौक तक 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता के उपलक्ष्य में एक विशाल तिरंगा यात्रा निकाली गई।तिरंगा यात्रा की शुरूआत शिवलोक परिसर से शुरू हुई और यह वीर कुंवर सिंह चौक पर सम्पन्न हुई। सेंकड़ों की संख्या में नागरिक, सामाजिक संगठन हाथों में तिरंगा लेकर इस यात्रा में शामिल हुए। ₹भारत माता की जय₹ और ₹वंदे मातरम₹ के नारों से शहर गूंज उठा। मौके सारठ के पूर्व विधायक रंधीर सिंह ने उन्होंने अपने संबोधन में कहा की कश्मीर के पहलगाम में कई सैलानियों की धर्म पूछ कर आतंकियों ने निर्मम हत्या कर दी। इसमें पाकिस्तान समर्थित आतंकी संगठनों का हाथ था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि पाकिस्तान को उसकी इस काम की पूरी सजा व जवाब मिलेगा और फिर देश की सेना ने पाकिस्तान स्थित नौ आंतकी ठिकानों को नेस्तनाबूद कर करारा जवाब दिया। मौके पर पूर्व विधायक नारायण दास ने कहा कि

**पीएम मोदी की तारीफ की**

नारायण दास ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में हमारी सेना ने पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद को मुंहतोड़ जवाब दिया है। उन्होंने कहा कि पहलगाम हमले में हमारी बहनों का सिंदूर मिटाने वाले आतंकियों को उसी भाषा में जवाब मिला है। सेना को खुली छूट दी गई और उन्होंने आतंकियों को उन्हीं के घर में घुसकर मार गिराया। दास ने राफेल, मिसाइलों और भारतीय सेना की ताकत की सराहना करते हुए कहा कि यह नया भारत है जो दुश्मनों को कहीं भी ढूंढ निकालता है। उन्होंने कहा कि भारत अब आतंकियों के खिलाफ हर हमले का पलटवार ऑपरेशन सिंदूर की तर्ज पर करेगा। मौके पर जिला प्रभारी सत्येंद्र सिंह जिला अध्यक्ष सचिन रवानी जिला महामंत्री संतोष उपाध्याय, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रीता चौरसिया, संजीव जजवाड़े,विशाखा सिंह,उपाध्यक्ष रवि तिवारी , कन्हैया झा,पप्पू यादव ,राजीव रंजन सिंह सचिन सुल्तानिया, विनय चंद्रवंशी अमृत मिश्रा, चंद्र शेखर खवाड़े, जूनियर बाबूलाल मरांडी पंकज सिंह भदोरिया धनंजय खवाड़े, धनंजय तिवारी आशिष दुबे,उमाशंकर प्रजापति निरंजन देव तुफान महथा,भूषण सोनी, अभय आनंद झा गौरी शंकर शर्मा नवल राय अशोक सिंह कुंदन कुमार नरोने सोना धारी झा गोविंद यादव मिथलेश माधव रूपा केशरी आशीष दुबे संतोष मुरमुर सौरभ कुमार सुनीता जायसवाल प्रेम वर्मा दिपक केशरी रूपा केसरी प्रमोद राय राजकिशोर गुप्ता अभिषेक मीकू मनोज सिंह अभय सिंह जयप्रकाश सिंह संजय राय रवि रवानी गौतम राय विष्णु रावत बाबू सोना सिंगारी महेंद्र भोक्ता बलराम पोद्दार देबू पोद्दार बबलू पासवान विनीता पासवान नितिश कुमार कुसुम सिंह संध्या कुमारी लक्ष्मी देवी मालती सिन्हा राजन सिंह संतोष मिश्रा सीएन दुबे सुनीत आनंद अशोक यादव एवं सभी मंडल अध्यक्ष पार्टी के सभी कार्यकर्ता इस कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए मुख्य रूप से इस यात्रा में शामिल थे

# दसवीं की परीक्षा मे विद्यार्थियों ने किया उत्कृष्ठ प्रदर्शन

**दिव्य दिनकर संवाददाता**

रांची - सी.बी.एस.ई.बोर्ड द्वारा घोषित परिणाम मे लक्की किड्ज ए डॉन बॉस्को स्कूल, पतरातु के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ठ प्रदर्शन किया है।अर्पित राज 82.4%,आस्था रानी 81.2% एवं आतिफ अंसारी 81% हासिल कर विद्यालय एवं अभिभावक का नाम रौशन किया है। इन सभी विद्यार्थियों के उत्कृष्ठ प्रदर्शन करने पर आज विश्वकर्मा युवा सुरक्षा मंच के राष्ट्रीय मुख्य संयोजक संतोष कुमार श्रेयांश, छात्र क्लब बुद्धिजीवी मंच (यूनिट,छात्र क्लब ग्रुप) के राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा, संरक्षक दीपक कुमार साहू, लायंस क्लब ऑफ रांची हरिकनक ग्रेटर के अध्यक्ष लायन राजेश केडिया,एमजेएफ रीजन चेयरपर्सन लायन प्रेमशंकर मिश्रा एवं शिवा लिंगम मानव सेवा संस्थान के अध्यक्ष काशीनाथ शहदेव,उपाध्यक्ष गौतम कुमार साहू,सचिव विनोद कुमार साहू ने टॉपर विद्यार्थियों से मिलकर शानदार परीक्षा परिणाम के लिए उन्हें बधाई दी एवं उज्जवल भविष्य एवं सुखमय जीवन की कामना किए। मौके पर शिव किशोर शर्मा ने कहा परिस्थितियां कितनी ही कठिन क्यों ना हो आप मन लगाकर पढ़ें,आप निश्चित रूप से सफल होगें वहीं दीपक कुमार साहू ने कहा विद्यार्थियों का यह शानदार प्रदर्शन उनकी कड़ी मेहनत,लगन,आत्माविश्वास, अभिभावकों का सहयोग एवं शिक्षकों के मार्गदर्शन का प्रतिफल है।स्कूल के प्रधानाध्यापिका राधा गुप्ता ने कहा कि विद्यालय के दसवीं कक्षा के सभी छात्रों ने भी प्रथम स्थान प्राप्त किया साथ ही निशा देवी,विवेक कुमार,रेखा सिंह,राधा कुमारी,विकास कुमार,ध्रुव कुमार,दशरथ ठाकुर , मनीष कुमार आदि आदि शिक्षकों ने भी बच्चों को बधाई दी।

# सिंधीपाड़ा के लोगों को पानी की समस्या से जल्द मिलेगी राहत- वंशराज

**रिपोर्ट-अविनाश मंडल**

पाकुड़ःपाकुड़ नगर के वार्ड संख्या 12 सिन्धीपाड़ा में गहराती जल समस्या को देखते हुए कांग्रेस नगर अध्यक्ष वंशराज गोप ने कार्यपालक पदाधिकारी श्री अमरेंद्र चौधरी से मुलाकात की उन्होंने मांग रखी कि भीषण गर्मी एवं तेजी से घटते हुए जल स्तर को देखते हुए 1000 फिट की गहराई तक डीप बोरिंग कराई जाएं। चुकी सिंधीपाड़ा अंतर्गत क्षेत्र में 300/400 फिट बोरिंग आम लोगों द्वारा कराई गई है जो तत्कालीन समय में फेल हो चुकी है। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि इस बोरिंग से लगभग 1500 से भी ज्यादा लोग लाभान्वित होते है रेलवे फाटक से होते हुए रेलवे कालोनी खजान सिंग गली एवं मिशन स्कूल के समीप तक का एरिया है जो घनी आबादी वाला क्षेत्र है। इसलिए बोरिंग को 1000 फिट तक करवाया जाए।ताकि लोगों को भविष्य में बार बार इस समस्या न जूझना पड़े।इसके साथ ही उन्होंने कहा कि जब तक बोरिंग सुचारू रूप से संचालित न हो जाए तब तक आम लोगों को टैंक के द्वारा पानी मुहैया करवाया जाए। इसके साथ ही शहरी जलापूर्ति योजना को भी जल्द से जल्द चालू करवाया जाए। इतना ही उन्होंने नगरपालिका क्षेत्र में पानी मुहैया करवाने हेतु और अधिक टैंक एवं ट्रैक्टर खरीदने की मांग की, ताकि आम लोगों को इस जटिल समस्या से राहत मिल सके, वही कार्यपालक पदाधिकारी श्री अमरेंद्र चौधरी ने कहा कि जल्द ही इन सभी समस्याओं को मूर्त रूप दिया जाएगा।जबकि वार्ड 12 सिंधीपाड़ा में बोरिंग को लेकर उन्होंने कहा कि शनिवार को बोरिंग का कार्य शुरू कर दिया जाएगा। इसके साथ श्री गोप ने आम लोगों से वाटर हार्वेस्टिंग करवाने की अपील की उन्होंने कहा कि भविष्य में जल संकट न हो इसके लिए वाटर हर्वेस्टिंग अती आवश्यक है।

# डीटीओ ने अवैध रूप से पार्किंग करने वाले वाहनों पर की कार्रवाई

**रिपोर्ट- अविनाश मंडल**

पाकुड़ःपाकुड़ जिला परिवहन पदाधिकारी संजय पीएम कुजुर द्वारा जिले के नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न चौक चौराहों के पास अनधिकृत रूप से पार्किंग करने वाले वाहनों पर कार्रवाई की गई। गौरतलब है कि कई बार प्रशासनिक चेतावनी दिए जाने के बावजूद कई वाहनों शहरों में यत्र-तत्र खड़े होने से जाम की समस्या उत्पन्न होने की शिकायत लगातार प्रशासन को मिल रही थी। डीटीओ द्वारा इसी क्रम में नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत गांधी चौक, हरिणडंगा बाजार, अम्बेडकर चौक, नगर थाना चौक पर सड़क किनारे अनधिकृत रूप से पार्किंग किए गए कई वाहनों (कार) को टोइंग गाड़ी से टो करके नगर थाना लाया गया। साथ ही कुल 23 दो पहिया वाहनों से बिना हेलमेट ड्रंक एंड ड्राइव करने को लेकर एमबी एक्ट के अंतर्गत दंड की राशि ई पोश मशीन के माध्यम से कुल 23 हजार 650 रुपए की वसूली की गई तथा चेतावनी दी गयी कि यदि भविष्य में इस तरह की घटना की पुनरावृत्ति होती है तो वाहनों का परमिट निरस्त करने की कार्रवाई की जाएगी।

# केरेडारी में एनटीपीसी प्रबंधन और महिलाओं के बीच वार्ता विफल

**केरेडारी संवाददाताः-रबिन्द्र कुमार पाण्डेय**

एन.टी.पी.सी. केरेडारी कोल परियोजना में चल रहे महिला धरने को लेकर प्रबंधन और प्रदर्शनकारी महिलाओं के बीच वार्ता का कोई ठोस नतीजा नहीं निकल सका। एनटीपीसी प्रबंधन ने धरने पर बैठी महिलाओं से अपील की कि वे एक टीम बनाकर उपायुक्त कार्यालय में वार्ता के लिए चलें, जहां अन्य कर्मियों की उपस्थिति में सभी मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। प्रबंधन ने यह भी साफ किया कि इस आंदोलन का लाभ कुछ अन्य संगठन उठाने का प्रयास कर रहे हैं, जो किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं होगा। अधिकारियों ने यह भी बताया कि परसों एसडीओ स्वयं आकर महिलाओं से वार्ता करेंगे, लेकिन इसके बावजूद महिलाओं ने अपने मांगों पर अड़े रहने का फैसला किया, जिससे किसी प्रकार की सहमति नहीं बन पाई। स्थानीय महिलाओं का आक्रोश झ कंपनियों पर झूठे आश्वासन और गुमराह करने का आरोप इस बीच, प्राप्त जानकारी के अनुसार, केरेडारी में संचालित एनटीपीसी की सहयोगी कंपनियों, बीजीआर और ओएसएल के खिलाफ भी स्थानीय महिलाओं का गुस्सा है। महिलाओं का आरोप है कि ये कंपनियां योजनाबद्ध तरीके से झूठे आश्वासन देकर उन्हें गुमराह कर रही हैं।महिलाओं ने बीजीआर कंपनी का खनन कार्य और ओएसएल कंपनी का कोयला परिवहन पूरी तरह से ठप करा दिया है। उनका कहना है कि बार-बार झूठे वादों से उनकी भावनाओं और संघर्ष का मजाक बनाया जा रहा है। महिलाओं ने स्पष्ट किया कि पहले एनटीपीसी और उसकी सहयोगी कंपनियां जमीनी स्तर पर ठोस काम करें और स्थानीय अधिकारों का सम्मान करें, उसके बाद ही किसी भी प्रकार के आश्वासन की बात की जाए।

# प्रेरण सत्रः सफलता का मूलमंत्र है स्वाध्यायः डीडब्ल्यूओ

**नन्दकिशोर दास**

बेगूसराय ब्यूरो। गणेशदत्त महाविद्यालय बेगूसराय स्थित प्राक परीक्षा प्रशिक्षण केंद्र के छात्र-छात्राओं के बीच प्रेरण सत्र का आयोजन किया गया। प्राक प्रशिक्षण केंद्र के वर्ग कक्ष में आयोजित प्रेरण सत्र को संबोधित करते हुए बेगूसराय जिला कल्याण पदाधिकारी मनोज कुमार अग्रवाल ने कहा कि सफलता का मूलमंत्र है स्वाध्याय। इसके लिए एकाग्रचित होना आवश्यक है। कहा कि आप दिन-रात या रटन्तु होकर पढ़ रहे हैं और सफलता नहीं मिल रही है तो इसमें कही ना कहीं सही मार्गदर्शन का अभाव है। उन्होंने छात्र-छात्राओं से वर्ग में निरन्तर आने का निर्देश दिया। वहीं प्रो अभिमन्यु प्रसाद ने अपने छात्र जीवन में संघ लोक सेवा आयोग तथा बिहार लोक सेवा आयोग के दिये गये साक्षात्कार के अनुभवों को साझा करते हुए कहा कि बहुत ज्यादा गहराई में जाने की जरूरत नहीं है, लेकिन आपको हर विषयों की क्षैतिज जानकारी होनी चाहिए। आपको उन हर पहलुओं पर ध्यान देने की जरूरत है, जिन्हें आप महत्व नहीं देते हैं। वहीं प्रेरण सत्र की अध्यक्षता करते हुए केन्द्र के निदेशक डॉ शशिकांत पांडेय ने कहा कि प्रतिस्पर्धा का दौर है। भीड़ में आपको अपना लक्ष्य साधना होगा। उन्होंने बच्चों को वर्ग से जुड़े रहने और सामान्य ज्ञान के अध्ययन की ओर विशेष ध्यान दिलाया। खासकर उन्होंने कहा कि आज मोबाइल से बचने की जरूरत है। प्रेरण सत्र का संचालन डॉ कुन्दन कुमार ने किया। इस अवसर पर आगत अतिथियों का स्वागत अंगवस्त्र से किया गया। मौके पर प्रो उपेन्द्र कुमार, प्रो राजाजीत, प्रो अमल कुमार अदक, डॉ कृष्ण कुमार, डॉ अमिय कृष्ण, डॉ कुमारी रंजना, अजीत कुमार, सविता कुमारी सहित अन्य उपस्थित थे।

### मानवता की मिसाल पेश करते हुए अजहर ने बुजुर्ग महिल को दिया सर पर छत

**रिपोर्ट- अविनाश मंडल**

पाकुड़ःपाकुड़ असहाय जरूरतमंद एवं गरीबों के लिए हमेशा खड़े रहने वाले जनसेवा को अपना संकल्प हैं मान बैठे, पाकुड़ शहर के जाने-माने प्रसिद्ध एवं लोकप्रिय युवा पूर्व एनडीए प्रत्याशी सह समाजसेवी अजहर इस्लाम ने एक बार फिर मानवता की मिसाल पेश की है। मनीरामपुर पंचायत की एक बुजुर्ग महिला, जिनके पास न तो रहने के लिए पक्का घर था और न ही बिजली की सुविधा, उनके जीवन में रोशनी लाने का कार्य अजहर इस्लाम ने अपने निजी प्रयासों से किया। स्थानीय लोगों से जब उन्हें महिला की कठिन परिस्थितियों की जानकारी मिली, तो उन्होंने तुरंत पहल करते हुए न सिर्फ उनके लिए एक पक्का घर बनवाया, बल्कि बिजली कनेक्शन भी दिलवाया। इसके साथ ही बुजुर्ग महिला को एक मोबाइल फोन भी भेंट किया ताकि उन्हें किसी जरूरत के लिए बार-बार बाहर न जाना पड़े। इस नेक कार्य को लेकर अजहर इस्लाम ने कहा, ह्वयह कोई उपकार नहीं, बल्कि मेरे कर्तव्यों का एक छोटा सा हिस्सा है। हर जरूरतमंद तक मदद पहुँचे – यही मेरी प्राथमिकता है।ह्व उन्होंने क्षेत्र की जनता से सहयोग और आशीर्वाद बनाए रखने की अपील भी की। स्थानीय पंचायत प्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए अजहर इस्लाम को धन्यवाद दिया और उम्मीद जताई कि ऐसे प्रयास आगे भी जारी रहेंगे।

### तंबाकू उत्पादों की बिक्री में अंकुश लगाने को लेकर जिले के विभिन्न प्रखंडो में चलाया गया जांच अभियान

**रिपोर्ट- अविनाश मंडल**

पाकुड़ःपाकुड़ उपायुक्त पायुक्त मनीष कुमार के निदेर्शानुसार शुक्रवार को जिले के विभिन्न प्रखंडो में तंबाकू उत्पादों की बिक्री के विरुद्ध व्यापक अभियान प्रारंभ कर दिया गया है। अभियान के तहत विभिन्न प्रखंडो में छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान कई दुकानों पर तंबाकू निषेधात्मक नियमों का उल्लंघन करने के लिए जुमार्ना लगाया गया। सभी दुकानों पर सिगरेट व तंबाकू उत्पादों के पैकेटों की जांच की गई तथा नियमों का उल्लंघन कर उत्पादों की बिक्री करने वालों पर जुमार्ना भी लगाया गया। सिगरेट व अन्य तंबाकू उत्पादों को जब्त कर मौके पर ही नष्ट भी किया गया एवं दुकानदारों को भविष्य में बिना वैधानिक चेतावनी वाले तंबाकू उत्पाद बिक्री करने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी।

## संक्षिप्त समाचार

### बरसात से पूर्व नगर परिषद युद्धस्तर पर करा रहा नाले की सफाई,

**रिपोर्ट- अविनाश मंडल**

पाकुड़:बरसात से पहले ही नगर परिषद ने शहरी क्षेत्र के सभी महानाला की साफ-सफाई कराने में जुट गयी है। शहर के विभिन्न क्षेत्रों में नाला का सफाई के साथ ही कई स्थानों पर क्षतिग्रस्त नालों की मरम्मत भी करायी जा रही है। जिससे बरसात के दिनों में शहर के लोगों को जल जमाव की समस्या नहीं झेलनी पड़े। साफ-सफाई मुख्यमंत्री श्रमिक योजना के तहत श्रमिकों से प्रतिदिन साफ-सफाई का कार्य किया जा रहा है, प्रशासक, नगर परिषद अमरेन्द्र कुमार चौधरी ने बताया कि बरसात के दिनों में शहर में जलजमाव की समस्या को देखते हुए युद्ध स्तर पर नालों की साफ सफाई का कार्य कराया जा रहा है।शहर को जलजमाव से मुक्त रखने के लिए नाला सफाई का कार्य कराया जा रहा है।

### दिव्यांग के बीच व्हीलचेयर का किया गया वितरण

**रिपोर्ट- अविनाश मंडल**

पाकुड़:पाकुड़ प्रखंड में दिव्यांग के बीच व्हीलचेयर का वितरण किया गया। पाकुड़ प्रखंड अंतर्गत चांचकी ग्राम के दिव्यांग अजमाईल शेख को बाल विकास परियोजना पदाधिकारी सह अंचलाधिकारी पाकुड़ भागीरथ महतो ने व्हीलचेयर प्रदान किया गया। व्हीलचेयर पाकर लाभुक ने सरकार और जिला प्रशासन के प्रति आभार जताया। कहा की इससे दैनिक जीवन में काफी सहूलियत मिलेगी।

### राष्ट्रीय डेंगू दिवस के अवसर पर प्रभात फेरी सह जन जागरूकता रैली निकाली गई

**देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा**

राष्ट्रीय डेंगू दिवस के अवसर पर आज पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रभात फेरी सा जन जागरूकता रैली पुराना सदर अस्पताल, देवघर से प्रशिक्षु एएनएम एवं अन्य के दल द्वारा निकली गई। जिसको अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ० प्रमोद कुमार शर्मा, जिला वैक्टर जनित रोग नियंत्रण पदाधिकारी डॉ० अभय कुमार यादव तथा जिला भीबीडी सलाहकार डॉ० गणेश कुमार यादव ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर एएनएम प्रशिक्षण केंद्र की प्रभारी प्राचार्या कुमारी सुलोचना, एफएलए रवि सिन्हा, डीईओ कांग्रेस मंडल, एमपीडब्ल्यू राकेश कुमार, एनयूएचएम सपोर्ट स्टाफ अमरेन्द्र कुमार आदि सहित कुल 55 लोगों ने अपनी सक्रिय सहभागिता दिखाते हुए प्रभात फेरी सह जन-जागरूकता रैली को सफल बनाने में अपना अहम योगदान दिया। साथ ही इस अवसर पर जन-जागरूकता हेतु डेंगू प्रचार गाड़ी को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। जो प्रभात-फेरी सह रैली के साथ घूमे, तत्पश्चात यह प्रचार गाड़ी देवघर शहरी क्षेत्र के विभिन्न मोहल्लों एवं वार्डों आदि में घूम-घूम कर लोगों को माईकिंग ऑडियो क्लिप को ध्वनि यंत्र के माध्यम से बजाते हुए जागरूक करेंगे। ताकि आने वाले बरसात के दौरान डेंगू के प्रभाव को रोकने में सबकी भागीदारी सुनिश्चित किया जा सके और देवघर को डेंगू मुक्त शहर बनाया जा सके। यह प्रभात फेरी सह जन-जागरूकता रैली पुराना सदर अस्पताल से निकलकर थाना रोड होते हुए बैद्यनाथ धाम रेलवे स्टेशन की तरफ से दीनबंधु स्कूल चौक, राय कंपनी मोड आदि होते हुए टावर चौक पर सभा में बदली, जहां पर डेंगू के रोकथाम हेतु नारे को बुलंद करते हुए लोगों को जागरूक किया गया। तत्पश्चात यह रैली पुनः पुराने सदर अस्पताल में आकर समाप्त की गई। जहां पर एसीएमओ डॉ० पीके शर्मा के द्वारा सभा को संबोधित करते हुए डेंगू से बचाव तथा इस्के मच्छरों के प्रजनन स्थल को नष्ट करने आदि के तरीकों को विस्तार पूर्वक बताया। इस अवसर पर जिला भीबीडी पदाधिकारी एवं जिला भीबीडी सलाहकार ने भी डेंगू के रोकथाम व इलाज एवं जांच आदि के बारे में इन्हें बताया और जन समुदाय के बीच आईपीसी के माध्यम से इसे प्रचारित करने हेतु कहा गया। अंत में आज 11:30 बजे से टीबी अस्पताल सभागार, नया सदर अस्पताल के सामने, देवघर में डेंगू से बचाव, रोकथाम, जांच व इलाज आदि पर आयोजित होने वाले अंतर्विभागीय कार्यशाला सह बैठक के लिए इन्हें भाग लेने हेतु आमंत्रित करने के उपरांत धन्यवाद ज्ञापन के साथ सभी को अल्पाहार देते हुए सभा को समाप्त किया गया। इस दौरान शिक्षा विभाग द्वारा विभिन्न स्कूलों के माध्यम से भी प्रभात फेरी सह जन-जागरूकता रैली बच्चों व शिक्षकों द्वारा निकाली गई। आंगनबाड़ी केंद्र की सेविका एवं सहिया, एएनएम, एमपीडब्ल्यू, सीएचओ, एसडब्ल्यू, एसआई, एमटीएस एवं प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारियों के द्वारा भी अपने-अपने सीएचसी, गांव एवं प्रखंड में डेंगू जागरूकता के लिए प्रभात फेरी निकाली गई। साथ ही जिले के सभी आठ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्तर पर भी डेंगू जागरूकता कार्यक्रम के लिए रैली सह प्रभात फेरी निकाली गई।

# ऑपरेशन सिंदूर की कामयाबी को लेकर नागरिक के बैनर तले निकाला गया तिरंगा यात्रा

**रिपोर्ट-अविनाश मंडल**

पाकुड़:पाकुड़ जश्न में राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए नागरिक के बैनर तले तिरंगा यात्रा आज पाकुड़ नगर में रेलवे स्टेशन से सिदो कान्हू पार्क तक निकाली गई। इसमें विभिन्न सामाजिक संस्थाओं ने भी प्रतिभाग किया। पूर्व वायु सेना के अधिकारी विश्वनाथ भगत नने कहा कि तिरंगा शौर्य सम्मान यात्रा में हजारों की संख्या में देशभक्त उमड़े है। ऑपरेशन सिंदूर की सफलता ने हर देशवासी का सर गर्व से ऊंचा कर दिया है। धर्म पूछकर आतंकवादियों ने लोगों की हत्या की। इसके बाद पूरा देश निर्णायक कार्रवाई की मांग को लेकर खड़ा हो गया। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग कार्यवाह मृत्युंजय घोष ने कहा कि सेना ने आतंकी और उनके आकाओं को समझा दिया की बहनों के सिंदूर छिनने का क्या अंजाम होता है। सेना ने पाकिस्तान में अंदर जाकर आतंकी ठिकानों को ध्वस्त किया। पाकिस्तान की सेना को हमारे जवानों ने धूल चटा दी। अब पाकिस्तान को समझ आ गया है कि भारत की ओर उठी उसकी हर नजर उसके विनाश का कारण बन सकती है, पतंजलि के संजय शुक्ला ने कहा कि कोई भी ताकत भारत को आगे बढ़ने से नहीं रोक सकती। लोकतंत्र मजबूत हो रहा है। हम सब सेना को सम्मान देने के लिए इस यात्रा में एकत्रित हुए हैं। ऑपरेशन सिंदूर से दुनिया ने हमारे हथियार भी देखे, हमारी एकजुटता भी देखी, हमारे देश का पराक्रम भी देखा और पुरूषार्थ भी देखा। ने कहा कि आज हम सब पूरा देश आनंदित है। लगातार तिरंगा यात्राओं के माध्यम से पूरी दुनिया में संदेश जा रहा है। हमारे लिए सौभाग्य का क्षण है। हमारे राफेल ने कमाल कर दिया। भाजपा जिला अध्यक्ष अमृत पाण्डेय ने कहा कोई भी ताकत भारत को आगे बढ़ने से नहीं रोक सकती। लोकतंत्र मजबूत हो रहा है। हम सब सेना को

सम्मान देने के लिए इस यात्रा में एकत्रित हुए हैं। ऑपरेशन सिंदूर से दुनिया ने हमारे हथियार भी देखे हमारी एकजुटता भी देखी हमारे देश का पराक्रम भी देखा और पुरूषार्थ भी देखा। आज हम सब पूरा देश आनंदित है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला कार्यवाह रामचंद्र दास ने कहा है कि बदलते दौर के भारत ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से दुनिया के सामने हमारी सेनाओं के साहस और शौर्य के प्रमाण दे दिए हैं। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने स्पष्ट कर दिया है कि आपरेशन सिंदूर रूकेगा नहीं, हमारे घर के किसी भी कोने में कोई भी आतंकवादी गतिविधि करेगा तो भारत उसे घर में घुसकर मारेगा विश्व हिंदू परिषद के जिला मंत्री अरविंद घोष ने कहा कि कोई भी ताकत भारत को आगे बढ़ने से नहीं रोक सकती। लोकतंत्र मजबूत हो रहा है। हम सब सेना को सम्मान देने के लिए इस यात्रा में एकत्रित हुए हैं। ऑपरेशन सिंदूर से दुनिया ने हमारे हथियार भी देखे, हमारी एकजुटता भी देखी, हमारे देश का पराक्रम भी देखा और पुरूषार्थ भी देखा। आज हम सब पूरा देश आनंदित है। लगातार तिरंगा यात्राओं के माध्यम से पूरी दुनिया में संदेश जा रहा है। हमारे लिए सौभाग्य का क्षण है। भोपाल देश का दिल है। हमारे राफेल ने कमाल कर दिया। भारतीय सेना ने ऐतिहासिक शौर्य का प्रदर्शन किया है। वरिष्ठ नागारिक दिवाकांत जी ने कहा कि भारत का आजादी के बाद यह चौथा युद्ध था। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में तीनों सेनाओं ने मिलकर जिस प्रकार का योगदान देकर आजादी के बाद चौथे युद्ध में 4 दिन में पाकिस्तान को धूल चटाने का काम किया, वह अभूतपूर्व है। हमारे देश की सेना ने ऐसा कार्य किया है, जो न भूतो न भविष्यति। पलक झपकने से पहले ही ब्रह्मोस मिसाइल ने एक के बाद एक बड़े-बड़े एयर वेज को ध्वस्त कर दिया। पाकिस्तान को समझ में ही नहीं आया कि वह करे क्या। हमने देखा रात के 11:30 बजे जब पाकिस्तान के प्रधानमंत्री अपने राष्ट्रपति से बात करने गए तो उनकी आवाज नहीं निकल रही थी। इस कार्यक्रम में चमरू रजवार, मनोज रजक, मनीष पाण्डेय, रूपेश भगत, धर्मेन्द्र त्रिवेदी, मनोरंजन सरकार, सोहन मंडल, हिसाबी राय, सम्पा साहा, शबरी पाल, मनोरमा देवी, प्राची चौधरी, सपन दुबे, सुकुमार मंडल अनुग्रहित प्रसाद साह, राजा सहा, अजीत रविदास, रतन भगत, दुलाल सिंह, पवन भगत, श्यामल गोस्वामी, निधि गुप्ता, पंकज साह, अरुण चौधरी, मो राजा, सादेकुल आलम, सूरज भगत, सुशांत घोष, त्रिलोचन दास, तारा गुप्ता, अनामिका कुमारी, पिंकी मंडल सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित हुए।

# कुएं में तैरता मिला अज्ञात युवती का शव, इलाके में फैली सनसनी

**केरेडारी संवाददाता:-रबिन्द्र कुमार पाण्डेय**

हजारीबाग जिले के केरेडारी थाना क्षेत्र के पेटो पंचायत अंतर्गत बुकरूमोड के पास गुरुवार सुबह एक अज्ञात युवती का शव कुएं में तैरता हुआ मिला, जिससे पूरे इलाके में हड़कंप मच गया। शव रामवृक्ष साव के कुएं से बरामद किया गया है। घटना की सूचना मिलते ही केरेडारी पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए हजारीबाग भेज दिया। गुरुवार सुबह करीब 10 बजे कुछ ग्रामीणों ने कुएं में एक युवती का शव देखा, जिसके बाद उन्होंने तुरंत केरेडारी थाना को सूचना दी। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर शव को बाहर निकाला और कानूनी प्रक्रिया पूरी की। शुरूआती जांच में शव पर कोई स्पष्ट चोट के निशान नहीं पाए गए हैं, लेकिन मौत के कारणों का पता पोस्टमार्टम रिपोर्ट से ही चल सकेगा।फिलहाल मृतका की पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस ने शव की पहचान के लिए 72 घंटे तक शवगृह में सुरक्षित रखने का निर्णय लिया है, ताकि कोई परिजन या परिचित शव की पहचान कर सके। इसके अलावा, आसपास के गांवों में भी सूचना प्रसारित की जा रही है, ताकि किसी लापता युवती के बारे में सुराग मिल सके।केरेडारी

पुलिस ने आमजन से अपील की है कि यदि किसी के परिवार या आसपास की कोई युवती लापता है, तो वे तुरंत पुलिस से संपर्क करें, जिससे मृतका की पहचान हो सके और घटना के पीछे की सच्चाई सामने आ सके। इस घटना के बाद से पूरे क्षेत्र में दहशत और अनिश्चितता का माहौल है। ग्रामीणों के बीच चर्चा है कि आखिर इस युवती की मौत किन परिस्थितियों में हुई और क्या यह किसी अपराध से जुड़ी हो सकती है। पुलिस ने सभी संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए मामले की गहन जांच शुरू कर दी है।

# जैव विविधता पर पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन, छात्रों ने दिखाया रचनात्मक हुनर

**देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा**

देवघर जिले के राजकीयकृत उच्च विद्यालय घोरमारा में शुक्रवार को जैव विविधता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य छात्रों के बीच जैव विविधता के महत्व को लेकर जागरूकता फैलाना और उनके रचनात्मक सोच को प्रोत्साहित करना था। कार्यक्रम के तहत एक विशेष पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें विद्यालय के अनेक छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। प्रतियोगिता का विषय ह्लजैव विविधता का संरक्षणह्व था। छात्रों ने रंगों और कल्पनाओं के माध्यम से प्रकृति, वन्यजीवों, पौधों और पारिस्थितिकी तंत्र की महत्ता को अपनी कला में उकेरा। कार्यक्रम के दौरान जैव विविधता प्रबंधन समिति के सदस्य सुग्रीव कुमार

मंडल ने बच्चों को जैव विविधता के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी और उनकी पेंटिंग का मूल्यांकन किया। मौके पर उपस्थित झारखंड जैव विविधता परिषद के सदस्य सचिव एवं प्रधान मुख्य वन संरक्षक संजीव कुमार ने बताया कि यह कार्यक्रम राज्य के 30 पंचायतों में आयोजित किया जा रहा है। इसके माध्यम से युवाओं को प्रकृति के संरक्षण के प्रति संवेदनशील बनाना मुख्य उद्देश्य है। तकनीकी पदाधिकारी हरि शंकर लाल ने भी छात्रों को जैव विविधता की रक्षा में उनकी भूमिका समझाई। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को आगामी 22 मई को रांची में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय कार्यशाला में सम्मानित किया जाएगा। कार्यक्रम ने न केवल छात्रों की प्रतिभा को मंच दिया, बल्कि जैव विविधता के संरक्षण के प्रति समाज को जागरूक करने की दिशा में एक सकारात्मक पहल की।

# चंद्रगुप्त परियोजना सबंधित भूमि घोटाले सभी आरोपों को प्रबंधन ने भ्रमक बताया

## 417 एकड़ भूमि की हेरा फेरी चंद्रगुप्त क्षेत्र में नहीं की गई निष्पक्ष हो जाँच :जीएम अमरेश कुमार सिंह

**दिव्य दिनकर:जिला ब्यूरो, कुन्दन पासवान**

चतरा। चतरा जिले के आम्रपाली- चंद्रगुप्त परियोजना क्षेत्र के चंद्रगुप्त परियोजना शुभारंभ के पहले भूमि घोटाले की खबरें जो कुछ भू-भाग हजारीबाग जिले के केरेडारी अंचल में चंद्रगुप्त परियोजना से सबंधित वन भूमि दस्तावेज को गायब एवं हेराफेरी करने, प्रकृति जाँचे बिना 417 एकड़ भूमि को सीसीएल को आटित करने एवं 25 लाख प्रति एकड़ के हिसाब से अरबों रुपये के घोटाले के आरोप को प्रबंधन ने निराधार बताया है। प्रबंधन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि चंद्रगुप्त परियोजना के लिए कोयला मंत्रालय भारत सरकार द्वारा कुल 1495 हेक्टेयर भूमि का अधिग्रहण सीबीए (एएंडडी) अधिनियम 1957 के अंतर्गत किया गया है एवं यह सीसीएल में निहित है। इस 1495 हे० भूमि में से 699.38 हे० वन भूमि का अपयोजन राज्य सरकार के सक्षम प्राधिकार से जांचोपरांत अनुसंशा के आलोक में वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा अनुमोदित है। उपरोक्त 417 एकड़ भूमि, 699.38 हे0, अपयोजित वन भूमि के अंतर्गत नहीं है। वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन विभाग,झारखंड सरकार के पत्रांक 4715 दिनांक 27/11/2018 के आलोक में उपायुक्त, हजारीबाग के पत्रांक 2350 दिनांक 25/06/2022 द्वारा प्रपत्र में एवं मुख्य प्रबन्धक चंद्रगुप्त

परियोजना द्वारा प्रपत्र में वांछित वचनबद्धता दी गई है। प्रपत्र में भूमि से संबन्धित मौजा,थाना प्लॉट न० एवं रकवा उल्लेखित है। प्रपत्र में उपायुक्त,हजारीबाग के पत्रांक 2350 दिनांक 25/06/2022 का उल्लेख किया गया है। सुलभ संदर्भ हेतु यह वन पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन के परिवेश पोर्टल पर सूचनाएँ उपलब्ध हैं। इस तरह भूमि मुआवजा राशि में प्रति एकड़ 25 लाख रुपए एवं अरबों रुपये के घोटाले का आरोप लगाना भी शत प्रतिशत गलत है। उपरोक्त 417 एकड़ भूमि के बदले में किसी भी रैयत अथवा राज्य सरकार को सीसीएल द्वारा भूमि के मुआवजे का भुगतान अबतक नहीं किया गया है। संदर्भित भूमि का सत्यापन जब तक नहीं होता है तब तक किसी को भी इसका लाभ नहीं दिया गया है एवं ना ही किसी को दिया जा सकता है। इस परियोजना के लिए सुशी इन्फ्रा एण्ड माइनिंग लिमिटेड कंपनी को एमडीओ के रूप में नियुक्त किया गया है। इस नियुक्ति के पूर्व ईसी एवं एफसी की बाध्यता नहीं होती है।

# सीडीओ के आदेश पर विवादित जमीन पर निर्माण कार्य थाना प्रभारी ने रुकवाया

**देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा**

अनुमंडल दण्डाधिकारी का न्यायालय देवघर के आदेश पर थाना प्रभारी देवीपुर के द्वारा निर्माण कार्य पर रोक लगा दिया गया है। जानकारी हो कि आवेदक रामसागर निवासी प्रकाश राउत पिता स्व शंकर राउत के आवेदन पर देवघर अनुमंडल पदाधिकारी के द्वारा कारवाई की गई और निर्माण कार्य रोकने का आदेश थाना प्रभारी देवीपुर दिया गया। जिसके आलोक में शुक्रवार से उक्त विवादित जमीन पर निर्माण कार्य रुकवा दिया गया है। आवेदक ने आरोप लगाया था कि पैतृक संपति में आपसी और सहमति पूर्वक का बटवारा नहीं हुआ है। उसके बावजूद पिछले सप्ताह से उसके दूसरे पक्ष के बासकी राउत पिता स्व. महादेव राउत निवासी ग्राम रामसागर के द्वारा निर्माण कार्य किया जा रहा था। जिससे दोनों पक्षों में विवाद उत्पन्न हुआ और मामला न्यायालय तक पहुंच गया।

# मारवाड़ी रिलीफ सोसाइटी लगायेगी निःशुल्क नेत्र जांच सह चश्मा वितरण शिविर

## नेत्र जांच हेतु निबंधन नरसिंह सिनेमा के सामने कुम्हारटोली चिकित्सालय में हो रहा है

**शिविर का आयोजन 18 मई रविवार को किया जाएगा**

**देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा**

मारवाड़ी रिलीफ सोसाइटी कोलकाता 18 मई रविवार को सुबह ग्यारह बजे से दोपहर एक बजे तक महिला विकास मंडल (जैन मंदिर के सामने गली) में निःशुल्क नेत्र जांच सह चश्मा वितरण शिविर का आयोजन करेगी। यह शिविर कुम्हार टोली सेवा समिति के देखरेख में आयोजित किया जाएगा। उक्त जानकारी कुम्हारटोली व्यवस्थापक गोपाल राम मंडल ने दी। श्री मंडल ने कहा कि जिन नेत्र रोगियों को नेत्र जांच करवानी हो वे अपना कुम्हारटोली के नरसिंह सिनेमा हॉल के सामने स्थित चिकित्सालय में बारह बजे से दो बजे तक आ के कार्ड बनवा सकते हैं। श्री मंडल ने आगे कहा कि यह शिविर कोलकाता के मारवाड़ी रिलीफ सोसाइटी के द्वारा लगायी जायेगी। जिसमें कोलकाता के प्रसिद्ध नेत्र चिकित्सकों द्वारा आंखों की जांच की जायेगी। जिन्हें चश्मे की जरूरत पड़ेगी उन्हें मुफ्त में चश्मा दिया जायेगा, जिनका

मोतियाबिंद निकलेगा उन्हें कोलकाता के मारवाड़ी रिलीफ सोसाइटी अस्पताल में मुफ्त में ऑपरेशन किया जायेगा। कार्यक्रम को सफल बनाने में सभापति मारवाड़ी रिलीफ सोसाइटी गोविंद राम अग्रवाल, उप सभापति विष्णु दास मित्तल, प्रधान सचिव प्रह्लाद राय गोयनका, मुख्य सचिव कुम्हार टोली सेवा समिति सुभाष मुरारका व गोपाल राम मंडल जुटे हुए हैं। नेत्र जांच कराने वाले लोगों का निबंधन नरसिंह सिनेमा के सामने कुम्हारटोली चिकित्सालय में हो रहा है।

# दुनिया को समझना होगा, भारत का न्यू नॉर्मल

**पहलगाम आतंकी हमले के बाद भी पाकिस्तान को प्रत्युत्तर में एयर स्ट्राइक से अधिक की उम्मीद नहीं थी। उसे लग रहा था भारत की सत्ता संभालने वालों में बड़े, प्रभावशाली और कठोर निर्णय लेने का राजनीतिक साहस नहीं है।**

डॉ. आशीष वशिष्ठ

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुद्ध पूर्णिमा दिन राष्ट्र के नाम अपने 22 मिनट के संबोधन में पाकिस्तान को स्पष्टतः चेता दिया कि अगर हमारे भारत की ओर आँख उठाकर भी देखा तो वो हश्र होगा कि दुनिया याद करेगी। राष्ट्र के नाम संदेश के अगले दिन पीएम ने आदमपुर एयरबेस पहुंचकर जवानों का उत्साह और मनोबल बढ़ाया। आदमपुर में प्रधानमंत्री के साथ समवेत स्वर में जब जवानों ने भारत माता की जय का उद्घोष किया तो उस निनाद की गूंज और प्रतिध्वनि पाकिस्तान ही नहीं अखिल विश्व ने स्पष्ट तौर पर सुनी।

पीएम ने अपने संबोधन में जितनी स्पष्टवादिता, दृढ़ता और विश्वास के साथ सधे और नपे–तुले शब्दों में अपनी बात विश्व के समक्ष रखी है, ऐसा साहस उनका कोई पूर्ववर्ती दिखा नही सका। पाकिस्तान के साथ अब तक हुए चार युद्ध, बालाकोट और उरी स्ट्राइक में उसे इतने गहरे घाव नहीं लगे, जितने ऑपरेशन सिंदूर ने उसे दिये। अपने स्वभाव से विवश पाकिस्तान पहलगाम आतंकी घटना के बाद इसी सोच के साथ रहा होगा, भारत प्रत्युत्तर में अधिक से अधिक एयर स्ट्राइक या उरी जैसा आक्रमण करेगा। लेकिन उसके अनुमान और विचार धरे के धरे रह गए। और भारत ने जो विध्वंस ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से मचाया, उसकी कल्पना भी आतंकियों और उनके जन्मदाताओं एवं शरणदाताओं की कल्पना से भी परे थी।

भारत ने लड़ाई के मोर्चे पर ही नहीं, बल्कि सिंधु जल संधि को स्थगित करने जैसा ऐतिहासिक और साहसी कदम भी उठाया। 1965, 1971 और 1999 कारगिल युद्ध और तमाम छोटी–बड़ी आतंकी घटनाओं में पाकिस्तान की स्पष्ट भूमिका के उपरांत सिंधु जल संधि स्थगित करने का साहस भारत दिखा नहीं पाया। बालाकोट और उसी स्ट्राइक, जम्मू कश्मीर में धारा 370 को खत्म करने जैसे बड़े कदम उठाने के बाद भी पाकिस्तान भारत को हल्के में लेता रहा। वास्तव में त्रुटि पाकिस्तान की नहीं, हमारी ही रही। हमारे देश के भीतर एक ऐसी मंडली हैं, जिनके हृदय में भारत से अधिक पाकिस्तान के लिये प्रेम, पक्षपात और दया भावना उछाल मारती है। यही मंडली हर आतंकी घटना के बाद भारत पाकिस्तान के विरुद्ध कड़े कदम उठाने का प्रपंच और स्वांग रचती है। प्रोपेगेंडा करने और नैरेटिव गढ़ने में इस मंडली को महारत प्राप्त है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भी ये मंडली सक्रिय हो गई थी। वो अलग बात है कि इस बार यह अपना एजेंडा चलाने में सफल नहीं हुई। वहीं पाकिस्तान को सख्त सबक सिखाने की बजाय जुबानी जमा खर्च ज्यादा करने की जो परंपरा नेहरू–इंदिरा के शासन में फली फूली, 2014 में मोदी सरकार के गठन से पूर्व तक भारत उसी नीति का सिर झुकाकर अनुसरण करता रहा।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भी पाकिस्तान को प्रत्युत्तर में एयर स्ट्राइक से अधिक की उम्मीद नहीं थी। उसे लग रहा था भारत की सत्ता संभालने वालों में बड़े, प्रभावशाली और कठोर निर्णय लेने का राजनीतिक साहस नहीं है। लेकिन पाकिस्तान पता नहीं यह कैसे भूल गया कि पीएम मोदी खतरे उठाने और साहसी निर्णय लेने के लिए जाने जाते हैं। उनकी प्रसिद्धि, साख और लोकप्रियता की यूएसपी जोखिम उठाना ही तो है। पीएम मोदी की दृढ राजनीतिक इच्छा शक्ति का समर्थन पाकर हमारे वीर जवानों ने ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम से भारत ने पाकिस्तान को उदाहरण के साथ अच्छे से समझा दिया है कि अब खेल बदल चुका है। खेल के खिलाड़ी बदल चुके हैं। भारत की सत्ता जिनके हाथों में हैं, उनका नारा नेशन फर्स्ट का है।

ऑपरेशन सिंदूर के रूप में भारत ने न केवल आतंक के पोषक और जनक पाकिस्तान को करारा उत्तर दिया, बल्कि एक नया सैन्य और रणनीतिक सिद्धांत स्थापित कर दिया। 7 से 10 मई के बीच चार दिनों तक चले इस सीमित, लेकिन तीव्र सैन्य अभियान ने न केवल पाकिस्तान को सैन्य रूप से झकझोर कर रख दिया, बल्कि वैश्विक मंच पर भारत की साख, क्षमता और इच्छाशक्ति का ऐसा प्रदर्शन किया जो दशकों में पहली बार देखा गया। ऑपरेशन सिंदूर से भारत ने यह स्पष्ट कर दिया कि आतंक के विरूद्ध अब वह चुप नहीं बैठेगा, घर के भीतर घुसकर मारेगा।

पहलगाम घटना के बाद भारत ने बातें नहीं की, डोजियर सौंपने की तैयार नहीं की, सीधे घर में घुसकर मारा, सीधे एक्शन लिया। पाकिस्तान के अंदर घुसकर 15 से अधिक आतंकियों और सेना से जुड़े ठिकानों को नष्ट भ्रष्ट कर दिया। भारत ने केवल आतंकी ठिकानों पर नहीं, उनके ड्रोन कंट्रोल सेंटर और एयरबेस तक को निशाना बनाया। ये दिखाने के लिए कि अगर आवश्यकता पड़ी, तो भारत सीधे उनके सीने तक पहुंच सकता है। ऑपरेशन सिंदूर का उद्देश्य बहुत स्पष्ट था- आतंक का ढांचा तोड़ना, अपनी सैन्य ताकत दिखाना, शत्रु को पुनः सोचने के लिए विवश करना और विश्व को यह बताना कि यह परिवर्तित भारत है। और यह परिवर्तित भारत अब नई सुरक्षा नीति पर चल रहा है।

यह बदला हुआ भारत है, भारत के इस बदले हुए मिजाज और कड़े निर्णय लेने के साहस को पाकिस्तान समझने से चूक गया। जिसका परिणाम अखिल विश्व के समक्ष है। भारत ने घर में घुसकर जब चाहा, जहां चाहा, वहां हमला किया। आतंकी खत्म किये, आतंक के ठिकाने ध्वस्त किये और पाकिस्तान के सैन्य हमलों को अपाहिज और पंगु बना डाला। भारतीय सेना और हमारे डिफेंस सिस्टम की श्रेष्ठता और सटीकता ने पाकिस्तान ही नहीं उसके सहयोगियों और हितैषी अमेरिका, चीन और तुर्की के जेट फाइटर, ड्रोन्स, एयर डिफेंस सिस्टम और आयुध की निम्न गुणवत्ता को अनावृत कर डाला।

पाकिस्तान में फलने फूलने वाले आतंकियों को कड़ी सीख देने के लिए अच्छी तरह चिंतन–मंथन के बाद ऑपरेशन सिंदूर संचालित हुआ। इसे स्वैच्छिक युद्ध में परिवर्तित नहीं होने दिया गया, लेकिन आतंक को कठोर उत्तर भी दे दिया गया। भारत ने ये दिखा दिया कि अब युद्ध का अर्थ केवल बम-विस्फोट और सीमा लांघना नहीं होता। अब लड़ाई सोच-समझकर, सीमित परिधि में और स्पष्ट उद्देश्य के साथ लड़ी जाती है।

ऑपरेशन सिंदूर के माध्यम ने विश्व समुदाय को स्पष्ट तौर पर बता दिया है कि अब हम किसी और के आश्रित नहीं है। ना अमेरिका की ओर देखा, ना रूस से पूछा और ना ही संयुक्त राष्ट्र से कोई सहायता मांगी। जो करना था, स्वयं उसकी कार्य योजना बनाई, और स्वयं ही उसे धरती पर उतारा। ये वही भारत है जो कभी हमलों के बाद बयान देता था और अंतरराष्ट्रीय सहायता की प्रतीक्षा करता था।

## संपादकीय

## सेना की प्रतिष्ठा

पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर भारत के 'आपरेशन सिंदूर' की कामयाबी पर जहां पूरा देश गौरवान्वित है, वहीं मध्य प्रदेश सरकार के एक मंत्री विजय शाह की बदजुबानी से सभी देशवासियों को शर्मिंदगी उठानी पड़ी। सार्वजनिक मंच पर कर्नल सोफिया कुरैशी के संदर्भ में मंत्री ने जिस तरह की बेहद आपत्तिजनक टिप्पणी की, उससे भारत की सौहार्द और धर्मनिरपेक्षता की भावना को ठेस पहुंची है। स्वाभाविक ही सभी ने इसकी भर्त्सना की। इस मामले की गंभीरता का अंदाजा मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के न्यायाधीश की टिप्पणियों और मंत्री के खिलाफ बिना देर किए प्राथमिकी दर्ज करने के आदेश से लगाया जा सकता है।

इस मामले में उच्च न्यायालय के न्यायाधीश ने साफ शब्दों में कहा कि मंत्री का बयान न केवल व्यक्तिगत मानहानि है, बल्कि समाज के ताने-बाने पर भी चोट करता है। इसके अलावा, जब एक न्यायाधीश को कानूनी कार्रवाई शुरू करने के लिए यह कहना पड़े कि 'हो सकता है कि कल मैं जीवित न रहूंज चार घंटे में आदेश का पालन हो' तो इससे व्यवस्था की जटिलता और उदासीनता का पता चलता है। विडंबना यह है कि अदालत के इस तरह के रुख के बावजूद आरोप को स्पष्टता के साथ दर्ज करने में लापरवाही बरती गई।

सवाल उठता है कि जिस बेहद संवेदनशील समय में भारत ने पाकिस्तानी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए भी बेहद संयमित और नपा-तुला रुख अपनाया, उससे हासिल गरिमा को कायम रखने के बजाय उसे बिगाड़ने की कोशिश करने वाले व्यक्ति को कैसे देखा जाना चाहिए। मंत्री ने महिला सैन्य अधिकारी की गरिमा को ही ठेस नहीं पहुंचाई, बल्कि सेना की प्रतिष्ठा को भी धूमिल करने की कोशिश की। मामले के तूल पकड़ने के बाद भले ही मंत्री ने सफाई दी, लेकिन ऐसे बयानों के असर को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। एक जिम्मेदार पद पर बैठे व्यक्ति की अशोभनीय और आपत्तिजनक भाषा का समर्थन देश के प्रति सम्मान रखने वाला कोई भी व्यक्ति नहीं करेगा। जरूरत इस तरह की बदजुबानी और बेलगाम बयानबाजी पर पूरी तरह रोक लगाने के लिए ठोस और नीतिगत पहल करने की है, ताकि देश के संविधान के मर्म और सौहार्द को कोई नुकसान न पहुंचे।

# जाति जनगणना की सुध : तमाशा, झांसा, पांसा या तीनों!

बादल सरोज

अपने कुनबे के संगपरस्तों, पक्के भक्तों और पाले पोसे एंकर-एन्करानियों तक को चौंकाने, हैरत में डालने और मुंह छुपाने के लिए कोना तलाशने की गत में पहुंचाते हुए मोदी सरकार के मंत्रिमंडल की राजनीतिक मामलों की समिति (सीसीपीए) ने 30 अप्रैल को ऐलान कर दिया कि अगली जनगणना के साथ जाति आधारित जनगणना भी कराई जायेगी। हालांकि चारेक दिनों से नत्थी मीडिया 'मोदी करेंगे बड़ा एलान' का सुर्रा छोड़े हुए था। जिस तरह इस प्रत्याशित बड़े कदम की खबर के साथ पहलगाम आतंकी हमले का बदला लेने के लिए युद्धोन्माद भड़काया जा रहा था, उसके धुंधलके में लोग ऐसी ही किसी सर्जिकल स्ट्राइक की उम्मीद लगाए बैठे थे, मगर घोषणा हो गयी उसकी, जिसके खिलाफ पिछली कुछ वर्षों से चीख-पुकार मचाकर खुद मोदी से योगी से गडकरी से संघ तक होते हुए हरेक ने अपना गला बिठाया हुआ था। अचानक तेजी से मारी गयी यह गुलाटी इतनी सरपट और असामयिक थी कि अचम्भा स्वाभाविक था। फैसला सही था, इसलिए स्वागत भी सभी राजनीतिक धाराओं ने किया ; कुछ जायज आशंकाओं के साथ ही सभी ने इसका समर्थन भी किया।

कब होगी - जब होगी, तब होगी, मगर अगर हुई तो आजाद भारत में यह पहली जाति आधारित जनगणना होगी। इस देश में आबादी की पहली आधिकारिक गिनती, सेन्सस या मर्दुमशुमारी 1881 में अंग्रेजी राज के दौरान हुई थी। इसके बीस साल बाद हुई 1901 की जनगणना में जातियां भी गिनी गयीं और कहा जाता है कि वे असंख्य थीं ; उनमे से कोई 1447 जातियों और 43 नस्लें रिकॉर्ड में दर्ज की गयीं। मगर जाति और उनके आधार पर लोगों को गिने जाए का काम घोषित रूप से पहली और आख़िरी बार 1931 में तबके आयुक्त जॉन हेनरी हटन ने किया। हालाँकि उनकी शिकायत थी कि उस समय चल रहे सविनय अवज्ञा आन्दोलन के चलते उन्हें बहुत परेशानियां झेलनी पड़ीं। इस कवायद से पता चला कि तब मुल्क में कुल 4147 जातियां पाई गयी थीं ; इनमें भी ईसाईयों की 300 और मुसलमानों की 500 जातियां शामिल थी। इसके बाद हुई जनगणनाओं में अनुसूचित जाति, जनजाति की गिनती हुयी भी, उसे बताया भी गया, मगर शेष जातियों के आंकड़े इकट्ठा ही नहीं किये गए।

यह ध्यान में रखना होगा कि जाति आधारित जनगणना सिर्फ संख्या इकट्ठा कर उन्हें आंकड़ें में बदलने की गणित की सांख्यिकी विधा का अभ्यास नहीं है। जनगणनाओं के साथ व्यक्ति और परिवार की आमदनी, जमीन, रोजगार, आर्थिक हैसियत, साफ़ पीने के पानी, रोटी, भात और स्वास्थ्य तक उसकी पहुँच आदि-इत्यादि से संबंधित अनेक जानकारियाँ भी एकत्रित की जाती हैं। जाति जनगणना से देश के अलग-अलग तबकों और समुदायों से जुड़ी आबादी की दशा-दुर्दशा का पता चलता है। इन्हें सुधारने के लिए जरूरी कदम उठाने की जरूरत पैदा होती है, ऐसे कदम उठाये जाएँ, इसके लिए जनता के बीच तथ्याधारित, तर्कपूर्ण आकांक्षा उत्पन्न होती है। यही आकांक्षाएं आन्दोलनों में बदलती हैं और यहीं से राजनीतिक लोकतंत्र को आर्थिक और उस सामाजिक लोकतंत्र में बदले जाने की शुरुआत होती है, जिस पर संविधान अंगीकार किये जाने वाले दिन दिए अपने भाषण में डॉ अम्बेडकर ने विशेष जोर दिया था।

भारतीय समाज में जाति सिर्फ परम्परा से चली आ रही पहचान नहीं है, यहाँ जाति एक यथार्थ है ; एक ऐसा यथार्थ जिसने परम्परागत रूप से भारतीय समाज की एक कठोर जकड़न वाली बेड़ी में जकड़ कर रख दिया, जो आबादी के विशाल बहुमत की वंचनाओं, विपन्नताओं, यहाँ तक कि वर्जनाओं तक का कारण बना रहा है, आज भी बना हुआ है। दुनिया भर में समाज का विकास अपने-अपने इलाकों में बनी विकसित हुई सभ्यताओं की विशिष्टताओं की बुनियाद पर हुआ है। इन्हीं खासियतों ने उनके अपने सामाजिक अंतर्विरोधों को उभारा और उन वर्गों को जन्म दिया, जिनके बीच हुए वर्ग संघर्ष ने उस इंजिन का काम किया, जिसने गति दी और सामाजिक विकास की नयी मंजिल तक पहुंचाया। भारत में यह डबल इंजन रहा। पहले वर्ण और उसके बाद मोटा-मोटी उसी खांचे में बनी जातियां भी वर्गीय शोषण का एक जरिया रहीं।

प्रख्यात मार्क्सवादी इतिहासकार डी डी कौशाम्बी के शब्दों में कहें तो जाति उत्पादन और पैदावार के आदिम स्तर पर वर्ग का नाम है। सामाजिक चेतना का वर्ग संयोजन करने की ऐसी वर्गपद्धत्ति है, जिसमें न्यूनतम बल प्रयोग के साथ उत्पादक को उसके अधिकारों और अपने श्रम से पैदा किये गए मूल्य से वंचित कर दिया जाता है।÷ ठीक यही वजह है कि व्यवस्थाएं बदलीं, हुकूमतें बदली -- जाति नहीं गयी, क्योंकि यह वर्गीय शोषण का आसान जरिया रही। बुध्द, जैन, अनेक कबीले, तुर्क एवं अंग्रेज आये, मगर जाति बनी रही, बनाए रखी गयी और आजाद हिन्दुस्तान में भी चलती रही, आज भी अस्तित्वमान है। इस तरह यह पूर्व सामंती अवस्था से लेकर वैश्वीकरण के दौर तक जारी रही। इसलिए रही, क्योंकि यह श्रेणीक्रम शासक वर्गों को हमेशा मुफीद लगा ; कम से कम बलप्रयोग से, ज्यादा से ज्यादा और वह भी आसानी से, शोषण का सहज जरिया रहा।

यह निरा संयोग नहीं है कि आज देश के शीर्ष दस, बल्कि पचास धनाढयों का विराट बहुमत उसी जाति से है, जिसे जाति श्रेणीक्रम की बर्छियों कटारों से सज्जित मनुस्मृति ने यह हैसियत प्रदान की है। देश के टॉप नौकरशाहों का भी विशाल हिस्सा, पत्रकारिता से लेकर कम्पनियों में निर्णय लेने वाली हैसियत वाले प्रभुओं का हिस्सा उनकी जातिगत आबादी से कईयों गुने अनुपात में बना हुआ है। इसी श्रेणीक्रम के चलते वंचितों, विपन्नों, भूखों, बेरोजगारों, दुर्बलों, कुपोषितों, अशिक्षितों, नागरिक सुविधाओं के अभाव वालों में विराट बहुमत उन जातियों का है, जिन्हें हाशिये से भी बाहर रहने की सजा सुनाई गयी। वैश्वीकरण के बाद कुकुरमुत्तों की तरह उग रहे डॉलर अरबपतियों में एक भी दलित या आदिवासी का न होना संयोग नहीं है। इस तरह यह कहना सरलीकरण नहीं है कि भारत में मोटे तौर वर्गों का निर्माण वर्ण और जाति के दायरे में हुआ है।

लिहाजा जाति सिर्फ सामाजिक प्रश्न नहीं है, चूंकि यह वर्गीय शोषण का जरिया है, इसलिए एक वर्गीय प्रश्न है। मार्क्सवादियों ने ही इसे सबसे पहले और सबसे सही तरीके से समझा। केरल में ईएमएस नम्बूदिरिपाद के नेतृत्व वाली कम्युनिस्ट सरकार ने स्वतंत्र भारत में पहली जाति जनगणना की। 1968 में किये गए इस सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण का उद्देश्य विभिन्न जातियों के सामाजिक और आर्थिक पिछड़ेपन का आकलन करना था। 2011 में देश भर के पैमाने पर हुई सामाजिक-आर्थिक और जाति जनगणना तक यह स्वतंत्रता के बाद के भारत में एकमात्र जाति आधारित गणना थी। ई एम एस के मुख्यमंत्रित्व वाली सरकार ने सिर्फ आंकड़े ही नहीं जुटाए, बल्कि उनके आधार पर नीतियों की दिशा भी तय की। उनके बाद आई नायनार, अच्युतानन्दन से लेकर आज की पिनराई विजयन की अगुआई वाली सरकारों ने इसी दिशा को आगे बढ़ाया; नतीजा यह निकला कि आज मानव विकास सूचकांक के हिसाब से केरल भारत में सबसे अव्वल तो है ही, यूरोप के अनेक देशों की बराबरी कर रहा है।

आजादी के तीन दशक बाद मंडल आयोग ने सर्वेक्षण करके बाकी देश के विकास के वर्णाश्रम की सूली पर लटके रहने की असलियत सामने ला दी। इसी के साथ सामाजिक न्याय का प्रश्न राजनीति के केंद्र में आया और अन्य पिछड़े समुदायों - जिन्हें ओबीसी कहा गया- का सामाजिक, आर्थिक पिछड़ापन मुद्दा बना। नौकरियों में इन जातियों के लिए आरक्षण जैसे कदम उठाये गए - तब तक चला आ रहा राजनीतिक वर्चस्व टूटा। भले सिर्फ चुनाव तक सीमित रही मगर एक बड़ी सामाजिक उथल-पुथल हुई। वंचित समुदायों में आकांक्षाएं उभरी।

# समुचित अवसर मिले तो सरकारी स्कूल पीछे नहीं

अनुज शर्मा

आमतौर पर सरकारी स्कूलों के बारे में यह धारणा रहती है कि वहां बच्चों की पढ़ाई-लिखाई पर उतना ध्यान नहीं दिया जाता, जितना महंगे निजी स्कूलों में। इस धारणा को मजबूती देने का काम परीक्षा परिणाम करते आए हैं। लेकिन केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) के दसवीं व बारहवीं परीक्षा नतीजों ने फिर केन्द्रीय व नवोदय विद्यालय जैसे सरकारी स्कूलों को सुर्खियों में ला दिया है। इन नतीजों से सामने आई दो बातें उत्साहित करने वाली हैं। पहली यह कि सरकारी स्कूलों के परिणाम निजी स्कूलों के मुकाबले बेहतर रहे। दूसरा, इन परीक्षाओं में बालिकाओं की कामयाबी की सुनहरी कथाएं सामने आई हैं। छात्रों के मुकाबले छात्राओं का परिणाम बेहतर रहा।

नई शिक्षा नीति-2020 के तहत सरकारी स्कूलों में प्री-बोर्ड और सीखने-सिखाने की प्रक्रिया को भी खासा महत्त्व दिया गया है। इतना ही नहीं, इन स्कूलों के स्तर पर भी बेहतर परिणाम लाने की दिशा में प्रयास किए गए। कमजोर विद्यार्थियों के लिए अतिरिक्त कक्षाओं की व्यवस्था भी इन प्रयासों का हिस्सा रहीं। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की भी खास नजर थी। यही कारण रहा कि पिछले कुछ सालों में सरकारी स्कूलों के परिणाम में अपेक्षाकृत सुधार ही होता रहा है। एक तथ्य यह भी है कि सरकारी स्कूलों में एनसीईआरटी के पाठ्यक्रमों के आधार पर ही पूरी पढ़ाई कराई जाती है, वहीं कई निजी स्कूल बच्चों पर तय पाठ्यपुस्तकों के अतिरिक्त भी किताबों का बोझ लादने से नहीं चूकते। नई शिक्षा नीति के तहत स्किल डवलपमेंट (कौशल विकास) पर भी खासा ध्यान दिया गया है। जवाहर नवोदय विद्यालय और केंद्रीय विद्यालयों जैसे सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की अपनी भर्ती प्रक्रिया है, जिसमें शिक्षकों का चयन कड़ी प्रक्रिया से होता है। जाहिर है सरकारी स्कूलों में अनुभव व प्रशिक्षण के लिहाज से प्रतिभाशाली शिक्षकों की नियुक्ति होती है। परिणामों पर नजर डालें तो इस बार भी छात्राओं का परीक्षा में पास होने का प्रतिशत छात्रों से अधिक रहा। जाहिर है बालिका शिक्षा को लेकर सामाजिक पूर्वाग्रह की बेड़ियां अब टूटने लगी हैं। इसीलिए हमारी बालिकाएं हर क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन कर रही हैं। इन नतीजों से यह बात भी साफ हुई है कि समुचित ध्यान दिया जाए तो सरकारी स्कूलों के परिणाम भी बेहतर किए जा सकते हैं। जरूरत सरकारी स्कूलों में शिक्षा का माहौल बनाने और सुविधाएं बढ़ाने की है। स्कूलों में बुनियादी सुविधाएं हों, नामांकन बढ़ाने के प्रति जागरूकता हो तो हर किसी को सस्ती व बेहतर शिक्षा मिल सकेगी। खासतौर से सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की कमी को दूर करना होगा। प्रतिभाशाली बच्चों को आगे लाने का काम शिक्षण संस्थाएं अपने स्तर पर करें तो अपेक्षाकृत कमजोर आर्थिक पृष्ठभूमि वाले बच्चों को आगे बढने व बेहतर प्रदर्शन का मौका मिल पाएगा।

स्वामित्वाधिकारी, मुद्रक , प्रकाशक व संपादक सरोज चौधरी द्वारा न्यू लोक भारती प्रेस, वार्ड 10 कोकर औद्योगिक क्षेत्र कोकर रांची से मुद्रित तथा ई -37, अशोक विहार रांची से प्रकाशित, संस्थापक संपादक :स्व. राधाकृष्ण चौधरी
प्रबंध संपादक : अरूण कुमार चौधरी, फोन: 9471170557/08084674042, ई-मेल : Divyadinkarranchi @ gmail.com,RNI Regd. No. : JHAHIN/2013/54373Postal Registration No. : RN-11/2012)

## संक्षिप्त समाचार

### शिविर में किसानों का फार्मर आई कार्ड निर्माण के लिए 30 किसानों का चयन

**शकील बेग**

नावकोठी, बेगूसराय। प्रखंड के किसानों का फार्मर आई कार्ड निर्माण के लिए नावकोठी एवं महेशवाड़ा में शिविर का आयोजन किया गया। नावकोठी में शिविर का उद्घाटन अनुमंडल कृषि पदाधिकारी अभिनीत यादव ने किया। उन्होंने कहा कि यह शिविर राजस्व विभाग तथा कृषि विभाग के संयुक्त बैनर तले आयोजित की जा रही है। इस शिविर के माध्यम से रजिस्टर्ड किसानों के जमीन का सत्यापन किया जा रहा है। इससे गलत किसानों की पहचान हो जायेगी।फार्मर आई कार्ड निर्माण होने के बाद कृषि विभाग द्वारा सभी संचालित योजनाओं का लाभ इस कार्ड के माध्यम से किसानों को मिलेगा। इससे किसानों को कार्यालय के चक्कर लगाने से भी छुटकारा मिल जायेगा। इस शिविर में नावकोठी में 18 तथा महेशवाड़ा में 12 कुल 30 किसानों का सत्यापन किया गया। पंचायत भवन नावकोठी में मंगलवार तथा बुधवार को बचे किसानों का आई कार्ड निर्माण के लिए शिविर का आयोजन होना है। मौके पर मुखिया राष्ट्रपति कुमार, राजस्व अधिकारी अखिलेश्वर राम, कृषि पदाधिकारी शोभित कुमार, कृषि समन्वयक प्रिंस कुमार, किसान सलाहकार श्रवण कुमार, देव कुमार सहित कई किसान मौजूद थे।

### सामाजिक कार्यकर्ता हेमंत कुमार की मेहनत लाई रंग, एस्टीमेट घोटाले में निगरानी विभाग एक्शन मोड में

**श्री कुमार ने सूचना के अधिकार के तहत एकत्रित किए साक्ष्य**

**शपथ पत्र के साथ निगरानी विभाग के प्रधान सचिव से की थी एस्टीमेट घोटाले की जांच की मांग**

**रंजीत विद्यार्थी**

मुंगेर : मुंगेर के सामाजिक कार्यकर्ता रिफ्यूजी कॉलोनी निवासी हेमंत कुमार की आखिर मेहनत रंग लाई और मुंगेर नगर निगम में एस्टीमेट घोटाला की जांच अब निगरानी विभाग की टीम ने शुरू कर दी है. निगरानी विभाग की जांच शुरू होते ही नगर निगम के अधिकारियों एवं कर्मचारियों में बेचैनी देखी जा रही है. एक बहुत चर्चित कहावत है कि अगर हौसले बुलंद हो तो मंजिल मिल ही जाती है. ऐसा ही कुछ सामाजिक एवं आरटीआई कार्यकर्ता हेमंत कुमार के साथ हुआ. बताते चले की निगरानी विभाग को सामाजिक कार्यकर्ता सह आरटीआई कार्यकर्ता हेमंत सिंह ने वित्तीय वर्ष 2022- 23 मे मुंगेर नगर निगम की 56 योजनाओं में हुए प्राकलन घोटाले की जांच को लेकर ढाई तीन साल पूर्व निगरानी विभाग को शपथ पत्र के साथ एक आवेदन दिया था। जिस पर विलम्ब से हीं सही निगरानी विभाग की नींद खुल गई है। उक्त मामले की जाँच के लिए निगरानी विभाग की टीम मुंगेर पहुंची और लगभग दस से अधिक योजनाओं का धरातल पर जांच किया। निगरानी टीम मे कार्यपालक अभियंता नगर विकास मंडल पटना के साथ कुछ अन्य अधिकारी भी शामिल थे। इस दौरान टीम सड़कों की निविदा से संबंधित कागजात लेकर अपने साथ ले गई। टीम ने जांच के संबंध में कुछ भी नही बताया। आप को बता दें कि वर्ष 2022-23 में नगर निगम द्वारा सड़क व नाला मरम्मत के लिए 56 ग्रुप की निविदा निकाली गई थी। इसमें एक माह पूर्व बनी सड़क के पुनर्निर्माण की भी निविदा निकाली गई थी। आरटीआई एक्टिविस्ट हेमंत सिंह द्वारा मामले में निगरानी जांच की मांग करते हुए विभाग में पत्राचार किया गया था। हालांकि मामला संज्ञान में आने पर नगर निगम प्रशासन द्वारा 03 ग्रुप की वैसी योजना को रद्द कर दिया था, जिसमें एक माह पूर्व निर्माण होने की बात कही जा रही थी। बाद में तत्कालीन प्रमंडलीय आयुक्त द्वारा भी जांच टीम गठित की गई थी। अभियंताओं की जांच टीम ने मामले में क्लीन चिट दिया था। नगर विकास विभाग मे किए गए पत्राचार के आलोक में नगर विकास मंडल पटना से पहुंची अभियंता की टीम ने योजना स्थल पर पहुंच कर मामले की जांच की। इस जांच को लेकर कई विभागीय अधिकारीयों की चैन को मानो बट्टा लग गया हो। संबंधित मामले गड़े मुर्दे को कबाड़ने पर किस किस की सामत आएगी यह तो समय बताएगा। इस मामले को लेकर मुंगेर के चर्चित नेताओं में शामिल संजय केसरी ने भी नगर निगम के विरुद्ध चरणबद्ध आंदोलन चलाया था. बिना राजनीतिक दबाव के साथ साथ अगर निष्पक्ष जांच हुई तो नगर निगम के कनीय से लेकर आला अधिकारी की गर्दन फसना तय माना जा रहा है. साथ ही साथ संवेदक भी इस मामले में नहीं बच पाएंगे.

### आर्थिक बदलावों, विकास और जोखिम के बीच संतुलन स्थापित करता है केनरा रोबेको का नया मल्टी एसेट फंड

**नन्दकिशोर दास**

बेगूसराय ब्यूरो। अनिश्चित आर्थिक चक्रों के दौरान निवेशकों को एक स्थिर और विविध निवेश साधन प्रदान करने के प्रयास में केनरा रोबेको म्यूचुअल फंड ने केनरा रोबेको मल्टी एसेट एलोकेशन फंड लॉन्च करने की घोषणा की है। यह ओपन-एंडेड स्कीम रणनीतिक रूप से इक्विटी, डेट और कीमती धातु ईटीएफ (सोना और चांदी) को जोड़ती है, जिसका लक्ष्य पूंजी वृद्धि और जोखिम शमन दोनों है। न्यू फंड ऑफर 9 मई, 2025 को खुलेगा और 23 मई, 2025 को बंद होगा। जिसे 6 जून, 2025 को या उससे पहले फिर से खोला जाएगा। 65-80 प्रतिशत इक्विटी, 10-25 प्रतिशत ऋण और 10-25 प्रतिशत गोल्ड/सिल्वर ईटीएफ की पोर्टफोलियो संरचना के साथ, फंड मैक्रोइकॉनोमिक संकेतकों, आय की गति और इक्विटी जोखिम प्रीमियम के आधार पर सक्रिय आवंटन का उपयोग करके अस्थिर बाजारों को नेविगेट करना चाहता है। आर ईआईटीएस और InvITs को शामिल करने से परिसंपत्ति वर्ग की विविधता और बढ़ जाती है। इस फंड का प्रबंधन अमित कदम, एनेट फर्नांडीस और कुणाल जैन द्वारा किया जाएगा। इसे कस्टम कंपोजिट इंडेक्स के आधार पर बेंचमार्क किया जाएगा।

# रफीगंज विधानसभा के भेटनिया पंचायत के लोग वर्षों से एक पुल की मांग

## लोजपा (रामविलास) पार्टी के प्रदेश महासचिव प्रमोद कुमार सिंह के प्रयास से पुल बनने का का कार्य शुरू होगा

**जल्द पुल का होगा निर्माण- प्रमोद कुमार सिंह**

**रिपोर्ट- प्रमोद कुमार सिंह**

औरंगाबाद :- जिले के रफीगंज प्रखंड के भेटनिया पंचायत के स्थानीय निवासीयो को वर्षों से एक पुल की मांग रही थी। बताते चले कि लोजपा (रामविलास) पार्टी के प्रदेश महासचिव एवं रफीगंज विधानसभा क्षेत्र से निर्दलीय प्रत्याशी रहे प्रमोद कुमार सिंह के प्रयास से पुल बनने का का कार्य शुरू होगा,इन्होंने कहा कि भेटनिया पंचायत के लोगों का पुल की मांग जल्द ही पुल का होगा निर्माण,आगे इन्होंने कहा कि इस पुल का निर्माण हो जाने से

सीधे गोह विधानसभा से जोड़ता है। यह इलाका व्यावसायिक खेती के लिए जाना जाता है, लेकिन पुल के अभाव में किसानों को 15 से 20 किलोमीटर घूमकर बाजार जाना पड़ता था। 10 वर्षों तक इस क्षेत्र के विधायक रहे माननीय अशोक बाबू और उनकी सरकार ने इस मुद्दे को कभी गंभीरता से नहीं लिया। शायद इसलिए क्योंकि इस गांव में ज्यादातर लोग अति पिछड़ा, दलित और महादलित समुदाय से आते हैं। अशोक बाबू ने केवल चुनाव के समय वोट मांगे, वादे किए, और फिर वादा भूल गए – हर बार ठगा गया सिर्फ आमजन का भरोसा। चुनाव आते ही वोट माँगना, वादे करना – और फिर वादा भूल जाना, यही उनका चरित्र रहा। जब मैंने 2012 में राजनीति में कदम रखा, उस समय भेटनिया गांव की स्थिति अत्यंत दयनीय थी – न गली थी, न नाली, न ही सिंचाई की व्यवस्था। जबकि बगल के गांवों में सोन नहर से पानी पहुँच रहा था, भेटनिया जैसे उपेक्षित था।गांववालों ने अपनी व्यथा मुझसे साझा की। मैंने देखा कि सोन नहर से जो नाला भेटनिया तक जाता था, वह पूरी तरह मिट्टी से भर चुका था। मैंने लगातार एक महीने तक जेसीबी लगवाकर नाले की सफाई करवाई और 2013-14 में गाँव तक पानी पहुँचाया। जब खेतों तक पानी पहुँचा, तब गाँव के किसान भाई मुझ पर विश्वास करने लगे। यही विश्वास 2015 के विधानसभा चुनाव में आशीर्वाद बनकर मिला

और 2020 में, जब मैं निर्दलीय प्रत्याशी था, तब भी लोगों ने मेरा साथ दिया। गाँव की सबसे बड़ी मांग थी – पुलिया का निर्माण। जिसके लिए अर्जुन ठाकुर जी ने (जो की एक सामाजिक कार्यकर्ता भी हैं) कुछ गांव वालों के साथ मिलकर आवाज उठाई और दाउदनगर के एग्जीक्यूटिव इंजीनियर से भी मुलाकात की, लेकिन बात नहीं बनी। तब उन लोगों ने एक बार फिर से मेरे सामने इस बात को रखा। मेरे व्यक्तिगत प्रयास से मैंने एग्जीक्यूटिव इंजीनियर से बात की। तब उन्होंने बताया कि सर्वे और योजना की रिपोर्ट मुख्य सचिव को भेज दी गई है। लेकिन निर्माण कार्य तब संभव है, जब किसी विधायक या संसद की अनुमोदन सिफारिश की जाए।

**फिर टूटी उम्मीदें...**

2020 में विधायक बदल गए – अब राजद के विधायक निहालुद्दीन जी बने। लोगों को एक नई उम्मीद जगी और गांव वाले उनसे मिले, एग्जीक्यूटिव इंजीनियर ने उनसे बात की लेकिन यह भी उम्मीद टूट गई जब उन्होंने कहा: ₹वहाँ के लोगों ने मुझे वोट नहीं दिया, तो मैं सिफारिश क्यों करूँ?₹ क्या विकास सिर्फ उन तक सीमित है जो आपको वोट दें? यह सोच लोकतंत्र के लिए शर्मनाक है। मैंने ग्रामीणों को आश्वस्त किया और अर्जुन ठाकुर जी से फिर संपर्क किया। उन्होंने कहा कि यदि सांसद का सिफारिशी पत्र मिल जाए तो अनुमोदन हो सकता है। तत्पश्चात मैंने इस मुद्दे को अपने राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं सांसद श्री चिराग पासवान जी के समक्ष रखा। उन्होंने तत्काल गंभीरता दिखाई और हमारी पार्टी के दो सांसद –श्री अरुण भारती जी (जमुई) श्रीमती शांभवी जी (समस्तीपुर) को निर्देश दिया कि वे ग्रामीण कार्य मंत्री श्री अशोक चौधरी जी को सिफारिशी पत्र भेजें।

इन सांसदों ने मेरे आग्रह और श्री चिराग पासवान जी के निर्देश पर तत्काल पत्र लिखा जिसके आधार पर पुल निर्माण को स्वीकृति मिली और अब टेंडर भी हो चुका है। आज जब कार्य प्रारंभ हुआ है, तब वही लोग जो वर्षों तक मूकदर्शक बने रहे, अब झूठा श्रेय लेने की होड़ में लग गए हैं। जो लोग इस योजना को स्वीकृति देने के लिए तैयार नहीं थे, आज फोटो खिंचवाने आ रहे हैं, जैसे सारा श्रेय उन्हीं को जाता हो।

**पूर्व विधायक जी से एक सवाल है –**

10 साल तक आपने विधायक रहते हुए 30 करोड़ की विधायक निधि का क्या किया? **क्या जनता को इसका जवाब नहीं मिलना चाहिए**? जब से नीतीश कुमार जी मुख्यमंत्री बने हैं, बिहार में चौतरफा विकास हुआ है। बिहार में जब से नीतीश कुमार जी मुख्यमंत्री रहे पूरा बिहार का विकास किया और वो ेिङ्क ळङ्क ीश्ल्लू की नीति से काम कर रहे हैं। पूर्व विधायक जी से निवेदन है कि वे नीतीश सरकार के कार्यों का झूठा श्रेय लेना बंद करें और अपना व्यवहार बदलें। कारण यह है कि हम सरकार में हैं और सरकार के अभिन्न अंग हैं, तो ये बातें हमें पूरी तरह से ज्ञात हैं कि भेटनिया और रतनपुरा टंडवा के पुल निर्माण हेतु माननीय मंत्री श्री अशोक चौधरी जी की प्रतिबद्धता और लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) की सक्रिय भूमिका का परिणाम है। दोनों पुल निर्माण हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री चिराग पासवान जी के नेतृत्व, ग्रामीण कार्य मंत्री श्री अशोक चौधरी जी के आशीर्वाद, और हमारे पार्टी सांसदों की सिफारिश से संभव हुआ है और कार्य प्रारंभ हो चुका है। झूठी वाहवाही से जनाधार नहीं लौटता। जनता अब जाग चुकी है। वह जानती है कि–

कौन उनके आँसुओं में शामिल हुआ, और कौन सिर्फ नारों में उलझा रहा।

# अनुग्रह स्कूल के छात्र पार्थ ने सिंगापुर एंड एशियन स्कूल्स मैथ ओलिंपियाड में ब्रॉन्ज जीत बढ़ाया जिले का सम्मान

**रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह**

औरंगाबाद :- जिला मुख्यालय स्थित पीएम श्री अनुग्रह मध्य विद्यालय के मेधावी छात्र पार्थ ने सिंगापुर एण्ड एशियन स्कूल मैथ्स ओलम्पियाड (एसएएसएमओ) में ब्रॉन्ज मेडल अर्जित कर अन्तर्राष्ट्रीय पटल पर औरंगाबाद का नाम रोशन किया है।प्राचार्य उदय कुमार सिंह ने बताया कि इस प्रतिष्ठित ओलम्पियाड में मेजबान देश सिंगापुर के अतिरिक्त एशिया महादेश के 38 देश यथा जापान

चीन मंगोलिया वियतनाम ईरान अजरबैजान उज्बेकिस्तान आदि के बच्चे सम्मिलित हुए थे और यह ओलिंपियाड प्रतिभाशाली छात्रों को गणित के क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा, सहयोग और नवाचार के लिए एक अन्तर्राष्ट्रीय मंच प्रदान करता है। वैज्ञानिक युग के महत्व को प्राचार्य उदय कुमार सिंह ने स्वीकारते हुए कहा कि छात्रों का दृष्टिकोण वैज्ञानिक एवं विश्वव्यापी बनाने के उद्देश्य से ओलिंपियाड आदि शैक्षणिक गतिविधियों में अनुग्रह स्कूल के बच्चों की भागीदारी का प्रयास किया जा रहा है। इन्हीं प्रयासों की बदौलत इस स्कूल के छात्र विभिन्न राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में नये-नये कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं। प्राचार्य उदय कुमार सिंह ने जानकारी दी कि पार्थ काफी होनहार बच्चा है और ज्ञान अर्जन के प्रति काफी आग्रही है।12 भाषाओं का जानकार है 200 से अधिक अंग्रेजी हिंदी की अच्छी पुस्तकें खरीद कर पढ़ चुका है। वह अन्य बच्चों के लिए प्रेरक बल बन रहा है। विद्यालय परिवार के सभी सदस्यों ने पार्थ की सफलता पर हर्ष जताया है।

# नहीं सुधरी अंचल कार्यालय की स्थिति तो सपा करेगी तालाबंदी : पप्पू

**सपाध्यक्ष ने राज्यपाल मुख्यमंत्री व आयुक्त को पत्र लिख अंचल, कार्यालय में की सुधार की मांग**

**दिव्य दिनकर संवाददाता**

मुंगेर : मुगेर जिले के अंचल कार्यालय में व्याप्त भ्रष्टाचार लूट खसोट को लेकर समाजवादी पार्टी एक बार फिर मुखर हो उठी है और तालाबंदी की चेतावनी दी है सपा जिला अध्यक्ष पप्पू यादव ने बिहार के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान मुख्यमंत्री नितीश कुमार सहित मुंगेर प्रमंडल के आयुक्त और जिला पदाधिकारी को पत्र लिख अभिलंब अंचल कार्यालय में सुधार की मांग की है सपा अध्यक्ष ने अपने लिखे पत्र में कहा कि सुशासन सरकार के लोक लुभावने नारों के बीच बिहार में भ्रष्टाचार चरम पर है जिसे बिहार के आला अधिकारी भी स्वीकारते हैं शासन -प्रशासन का अपने ही विभाग पर नियंत्रण नहीं है जिसका परिणाम है की मुंगेर जिला के सभी अंचल कार्यालय खासकर मुंगेर जमालपुर के अंचल कार्यालय में खुलेआम लोगों का शोषण हो रहा है कोई भी सीओ, आर ओ, जनता के कार्य का निष्पादन करने में दिलचस्पी नहीं ले अपने दलालों के माध्यम से बस वसूली और मोटी उगाही में जुटा रहता है जिसके कारण मोटेशन परिमार्जन और नापी जैसे कामों के लिए लोग भटक रहे हैं और मुंगेर की सीओ जमालपुर का आर ओ लोगों को दुत्कार कर भगा देते हैं और पुरी वस्तु स्थिति के जानकारी के वाबजूद वरिय पदाधिकारी तमाशबीन बना है जिसे समाजवादी पार्टी कतई वरदास्त नहीं करेगी सपाध्यक्ष ने चेतावनी भरे लहजे में कहा कि अगर विभाग का यही रवैया रहा और जनता के मामले के निष्पादन में अधिकारी द्वाराकोई दिलचस्पी नहीं ली गई तो समाजवादी पार्टी मुंगेर और जमालपुर के अंचल कार्यालय में तालाबंदी करेगी , जिसकी जिम्मेदारी अकर्मण्य शासन और प्रशासन की होगी।

# दानिका विराटपुर शाखा का शुभारंभ एवं पुस्तक विमोचन समारोह 18 मई को आयोजित किया जाएगा

**रिपोर्ट- प्रमोद कुमार सिंह**

औरंगाबाद :- जिला मुख्यालय की महत्वपूर्ण सांगीतिक संस्था दानिका संगीत महाविद्यालय का नया ब्रांच का शुभारंभ 18 मई को किया जाएगा। इस आशय की जानकारी देते हुए संस्था के डायरेक्टर डॉ रविंद्र कुमार ने बताया कि धरणीधर रोड के पानी टंकी के पास बिराटपुर मुहल्ले में इसकी शुरूआत की जा रही है। उसी दिन गजल गायकी के अनमोल चितेरे अनिल कुमार चंचल रचित लहरों पर लहर पत्रिका का विमोचन भी किया जाएगा।कार्यक्रम की तैयारी के संबंध में डॉ रविंद्र कुमार ने बताया कि अपराह्न में दोनों ही कार्यक्रमों को मुर्त रूप प्रदान किया जाएगा जिसमें औरंगाबाद जिले के साहित्यिक,सामाजिक बुद्धिजीवी एवं सांस्कृतिक क्षेत्र के प्रमुख हस्तियां शिरकत करेंगी। दानिका के संबंध में जिला हिंदी साहित्य सम्मेलन के उपाध्यक्ष सुरेश विद्यार्थी ने बताया कि वर्तमान परिदृश्य में संगीत के क्षेत्र में दानिका ने राष्ट्रीय स्तर पर एक मुकाम हासिल किया है। आज दानिका किसी परिचय का मोहताज नहीं है चाहे वह जिला युवा महोत्सव हो राष्ट्रीय स्तर के युवा महोत्सव हो या फिर प्रांतीय स्तर हर क्षेत्र में इस संस्था ने विशिष्टता हासिल की है इस संस्थान से पढ़ने वाले सैकड़ो विद्यार्थियों ने संगीत शिक्षक बनकर एक मिसाल कायम किया है इसी परिप्रेक्ष्य में इस शाखा का विस्तार किया जा रहा है और तेजी से बढ़ते हुए औरंगाबाद जिले में एक अन्य शाखा का भी शुभारंभ किया जा रहा है।केंद्राधीक्षक शशि देवी के नेतृत्व में संयोजिका अंजली सिंह, हेमा पाठक के देखरेख में संस्था को संचालित किया जाएगा।

# भाविप देवघर ने लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जन्मशती समारोह मनाया

## मातृ मंदिर बालिका विद्यालय में पुण्यश्लोका अहिल्याबाई पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित किया गया

**देवघर से दिव्य दिनकर संवाददाता प्रेम रंजन झा**

पूरा देश महान मराठा साम्राज्य अंतर्गत इंदौर साम्राज्य की महारानी अहिल्याबाई होल्कर की 300वीं जन्मशती मना रही है। भारत विकास परिषद भी प्रमुखता के साथ अहिल्याबाई की 300वीं जयंती पर मई महीने में कई कार्यक्रम आयोजित कर रही है ताकि देश के युवा, युवतियां सहित सभी वर्ग के लोग लोकमाता के रूप में प्रसिद्ध धर्म, न्याय और राष्ट्रधर्म के सजीव स्वरूप से परिचित हो सके। भारत विकास परिषद, देवघर शाखा ने आज मुख्यमंत्री उत्कृष्ट विद्यालय मातृ मंदिर में पुण्यश्लोका लोकमाता अहिल्याबाई होल्कर को श्रद्धापूर्वक याद करते हुए पुष्पांजलि अर्पित किया। इस अवसर पर विद्यालय के कक्षा 9 से 12 के कुल 13 मेधावी छात्राओं ने उनकी जीवनी और कृतित्व पर भाषण प्रतियोगिता में अपने वक्तव्य दिए। कई छात्राओं ने लोकमाता अहिल्याबाई की वेशभूषा और गेटअप में अपनी प्रस्तुति दी। आर एल सर्राफ उच्च विद्यालय के पूर्व प्राचार्य डॉ. विजय कुमार और संदीपनी पब्लिक स्कूल की निर्देशिका कंचन मूर्त्ति साह ने निर्णायक की भूमिका निभाई। सभी प्रतिभागियों ने महारानी अहिल्याबाई होल्कर की जीवनी और उनके महान कार्यों, न्यायप्रियता, बेहतर शासक, वीरांगना योद्धा, धार्मिक स्थलों की रक्षा और पुनर्निर्माण, विधवा विवाह जैसे सामाजिक कुरीतियों की रक्षक, नारी सशक्तिकरण के कार्य, साड़ी और कपड़ा उद्योग में नारियों को आगे बढ़ाने जैसे कई अनछुए पहलुओं को बताया। इससे पहले वंदे मातरम् गीत, भारत माता, स्वामी विवेकानंद और महारानी अहिल्याबाई को पुष्पांजलि अर्पित कर कार्यक्रम की शुरूआत की गई जिसमें विद्यालय परिवार के शिक्षक और बच्चियां तथा परिषद के अधिकारी और सदस्यों सहित लगभग 125 लोगों ने भाग लिया। अपने स्वागत भाषण में परिषद के देवघर शाखा के अध्यक्ष आलोक मल्लिक ने सबसे पहले कार्यक्रम करने की स्वीकृति देने के लिए विद्यालय की प्राचार्य बिशु किरण के प्रति हार्दिक आभार जताया तथा उनका स्वागत किया।

उन्होंने सभी अतिथियों और विद्यालय के शिक्षक, छात्राओं का स्वागत करते हुए महारानी अहिल्याबाई होल्कर के कृतित्वों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि लोकमाता धर्म, न्याय और राष्ट्रधर्म का सजीव स्वरूप थी। वे केवल एक रानी नहीं, बल्कि सनातन संस्कृति की पुनर्स्थापक थीं. विदेशी आक्रमणों के दौर में उन्होंने देशभर के प्रमुख तीर्थस्थलों को पुनर्जीवित कर भारतीय संस्कृति और धर्म की रक्षा की. लोकमाता अहिल्याबाई ने *ह्वमेरा पथ धर्म का पथ है और धर्म का पथ ही न्याय का पथ हैह्व* जैसे उद्घोष के साथ अपना पूरा जीवन समाज, संस्कृति और राष्ट्र के लिए समर्पित कर दिया. समारोह में निर्णायक कंचन मूर्त्ति साह और डॉ. विजय कुमार ने भी बच्चों को रोचकपूर्ण तरीके से राजमाता अहिल्याबाई के कई प्रसंग सुनाए। उन दोनों ने बच्चों से कहा कि अहिल्याबाई भारतीय नारीशक्ति की प्रतीक थी. महारानी ने नारी सशक्तिकरण, विधवा पुनर्विवाह को बढ़ावा देने, बाल विवाह रोकने और साड़ी उद्योग जैसी महिला स्वावलंबन योजनाओं को बढ़ावा देकर समाज में बदलाव लाया. महारानी अहिल्याबाई ने बिना किसी राजनीतिक समर्थन के, अकेले अपने संकल्प और भक्ति के बल पर काशी से लेकर रामेश्वरम्, केदारनाथ, सोमनाथ, हरिद्वार और अन्य पवित्र स्थलों का जीर्णोद्धार कराया. आज हम जिस भव्य काशी विश्वनाथ मंदिर को देखते हैं, उसका निर्माण भी उन्हीं के प्रयासों का परिणाम है. यह कार्य उन्होंने वर्ष 1777 से 1780 के बीच अपने निजी संसाधनों से कराया था. उन्होंने उनके न्यायप्रियता के भी कई रोचक तथ्यों को बताया तथा कहा कि वे अपने पुत्र को भी मृत्युदंड देने से नहीं हिचकी थी। प्राचार्य बिशु किरण ने कहा कि महारानी अहिल्याबाई होल्कर का जन्म 31 मई 1725 को महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले के चौंडी गांव में हुआ था. वे होल्कर वंश की शासिका रहीं और इन्होंने अपने शासनकाल (1767-1795) में न सिर्फ आदर्श राज्य की स्थापना की बल्कि भारतभर के 100 से अधिक मंदिरों, घाटों, कुओं और बावड़ियों का निर्माण व जीर्णोद्धार करवाया. उनकी सरलता, न्यायप्रियता और धर्मनिष्ठा के कारण ही उन्हें ह्वलोकमाताह्व कहा गया. परिषद की सचिव कंचन शेखर सिंह ने सभा के अंत में कहा कि लोकमाता अहिल्याबाई को श्रद्धांजलि देना सिर्फ एक परंपरा नहीं, बल्कि राष्ट्र और धर्म के गौरव को फिर से स्थापित करने का संकल्प है. महिला सशक्तिकरण के बिना देश का विकास अधूरा है. आज हमें महारानी अहिल्याबाई के जीवन से प्रेरणा लेने की जरूरत है। परिषद के सेवा प्रमुख रंजीत बरनवाल, महिला सहभागिता प्रमुख कंचन मूर्ति साह तथा विद्यालय के शिक्षक और प्रतियोगिता संयोजक अंबुज कुमार मिश्र तथा कार्यक्रम को बेहतरीन ढंग से संजोया गया। भाषण प्रतियोगिता में वंशिला गुप्ता प्रथम, नम्रता कुमारी द्वितीय, अदिति कुमारी झा तृतीय, राधा कुमारी चतुर्थ तथा सृष्टि कुमारी पांचवे स्थान पर रही। अतिथियों ने सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देकर उनकी प्रशंसा की।

## संक्षिप्त समाचार

### साजिश रचकर जलाया गया पचास हजार रुपये की लागत का सरसों के बोझ

**बेगूसराय।** लाखो थाना क्षेत्र के मंझलापुर गांव में असामाजिक तत्वों ने सरसों के 40 बोझ में आग लगा दिया। इससे करीब 50 हजार रुपए की संपत्ति जलकर राख हो गई। घटना 11 मई की रात की बताई जाती है। घटना के संबंध में पीड़ित किसान नन्दकिशोर दास ने पुलिस की बताया कि मकान विवाद के कारण छत पर सरसों का बोझ रखने के कारण पीड़ित का भाई आनंद मोहन दास, विश्वनाथ दास, मदन मोहन दास ने सीढी के दरवाजे में ताला लगा दिया था। उसके बाद साजिश रचकर सरसों के बोझ में आग लगा दिया। अगलगी की घटना पर पूरे गांव के लोग आग बुझाने के लिए इकट्ठे थे, लेकिन सीढी के दरवाजे में लगे ताला को आनंद मोहन दास और विश्वनाथ दास नहीं खोलने दे रहा था। तभी आक्रोश में ग्रामीणों ने ताला तोड़कर आग बुझाया, लेकिन तबतक बोझ राख हो चुका था। घटना की सूचना पर लाखो थाना की पुलिस पहुंची और पीड़ित किसान की पत्नी ममता देवी से पूरी जानकारी ली। इधर, लाखो थानाध्यक्ष राजीव रंजन ने बताया कि मकान विवाद को लेकर अगलगी की घटना प्रतीत हो रहा है। उन्होंने बताया कि पीड़ित पक्ष से आवेदन देने को कहा गया है। ताकि विधि सम्मत कार्रवाई हो सके।

### औरंगाबाद जिले के निवासी प्रिंस कुमार ने 100 एवं 4 100 रिले मीटर दौड़ में जीता सिल्वर मेडल

रिपोर्ट - प्रमोद कुमार सिंह

औरंगाबाद :- जिले के निवासी प्रिंस कुमार ने 100 एवं 4 100 रिले मीटर दौड़ में जीता सिल्वर मेडल। बताते चलें कि बिहार में चल रहे 7वां खेलो इंडिया यूथ गेम ,2025 में मंगलवार को संध्या बिहार के औरंगाबाद जिले के प्रिंस कुमार ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। खेलो इंडिया यूथ गेम का आयोजन बिहार के पांच जिलों में आयोजित हो रहा है। इस प्रतियोगिता की शुरूआत 4 से 15 मई में तक आयोजित हो रहा। एथलेटिक्स की प्रतियोगिता का आयोजन 12 से 15 मई 2025 के बीच आयोजित हो रहा है। पाटलिपुत्र खेल परिसर ,कंकड़बाग , पटना में आयोजित एथलेटिक्स प्रतियोगिता में 100 मीटर दौड़ में प्रतियोगिता में मेजबान बिहार के औरंगाबाद जिले के प्रिंस कुमार ने अंडर 18 बालक वर्ग में 10.64 सेकंड की दौड़ के साथ सिल्वर मेडल जीता। और साथ ही साथ 4 * 100 मीटर रिले रेस में 42.04 सेकंड के साथ प्रतियोगिता में भी प्रिंस कुमार ने सिल्वर मेडल जीतकर जिले का मान सम्मान बढ़ाया। दो सिल्वर मेडल जीतने पर अभी तक के प्रतियोगिता में प्रिंस कुमार की सबसे बड़ी उपलब्धि है।

### बीडीओ ने कहा योजनाओं का लाभ अंतिम बसावट तक पहुंचाने का हम सब का दायित्व

रिपोर्ट - निशांत कुमार

औरंगाबाद :- हसपुरा प्रखंड कार्यालय के सभागार में शुक्रवार को 20 सूत्री क्रियान्वयन समिति का बैठक किया गया।बैठक की अध्यक्षता 20 सूत्री अध्यक्ष चंद्रकांत मुन्ना ने किया जबकी संचालन बीडीओ सह क्रियान्वयन समिति सचिव प्रदीप कुमार चौधरी ने किया। बैठक का शुभारंभ उपस्थित सदस्यों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया है।उसके बाद बैठक में उपस्थित अधिकारियों व सदस्यों ने अपना परिचय दिया। परिचय के समाप्ति के बाद अध्यक्ष ने बैठक से अनुपस्थित पदाधिकारियों के अनुपस्थिति पर आपत्ति दर्ज कराते हुए सदन के कार्यवाही में दर्ज करने का आदेश दिया। हालांकि बीडीओ ने हस्तक्षेप करते हुए कहा की सदन से आग्रह है की पहली बैठक होने के कारण एक मौका दिया जाय अगली बार से कार्रवाई किया जाएगा। बैठक में सबसे पहले कल्याण पदाधिकारी अशोक कुमार ने डॉ. भीम राव अंबेडकर समग्र सेवा अभियान के तहत लगाए जा रहे विशेष विकास शिविर के उपलब्धियों के बारे में बताते हुए कहा की 19 अप्रैल से सप्ताह में दो दिन आयोजित अबतक पांच शिविरों के माध्यम से कुल प्राप्त 3612 आवेदनों में से 2881 आवेदनों का निष्पादन किया जा चुका है।शेष निष्पादन के प्रक्रिया में है। वहीं प्रखंड में दिव्यांगों के लेखा - जोखा बताने में असमर्थता जाहिर करते हुए जानकारी दिया की 76 दिव्यांगों को दिव्यांगता प्रमाण पत्र का आवेदन लंबित है।वहीं जीविका बीपीएम ने आलोक सिन्हा ने महिला संवाद के उपलब्धियों चर्चा करते हुए बताया की महिलाओं 1209 आकांक्षा दर्ज कराया है जिसमें हसपुरा बाजार जाम से मुक्ति और शौचालय की व्यवस्था महत्वपूर्ण है।सदन में कमिटी के सदस्य कौशलेंद्र कुमार उर्फ कौशल शर्मा ने आपूर्ति विभाग के कर्मियों पर राशनकार्ड बनाने में दो से तीन हजार रुपये रिश्वत लेने का आरोप लगाकर सनसनी फैला दिया।हालांकि एमओ अभिनीत कुमार ने सभी आरोपों को खारिज करते हुए कहा की कागजात के कमी कारण राशनकार्ड कार्ड का आवेदन रिजेक्ट होता है अगर मेरे कार्यालय में रिश्वत का मांग किया जाता है तो मुझे सूचना दे कार्रवाई की गारंटी है। वहीं बीडीओ प्रदीप कुमार सदन में खुलासा किया की प्रखंड के कोइलवां व परणपुरा मीडिल स्कूल में शिक्षकों की गुटबाजी चरम पर है कभी भी मारपीट की घटना घट सकती है। प्रभारी बीईओ अशोक कुमार को दोनों विद्यालय के सारे शिक्षकों को अलग - अलग विद्यालय में नियुक्त करने का निर्देश दिया। वहीं रघुनाथपुर विद्यालय के शिक्षकों द्वारा उपस्थित दर्ज कर विद्यालय से गायब रहने का मामला अध्यक्ष ने उठाया। सदन के सारे सदस्यों ने दोनों मुद्दों का समर्थन कर प्रस्ताव पारित किया। जबकी कस्तूरबा बालिका विद्यालय में अनियमितता की जाँच के लिए बीडीओ के नेतृत्व में जाँच कमिटी बनाने का प्रस्ताव पारित किया गया।बैठक में थाना से आये अपर निरीक्षक पवन कुमार ने थानक्षेत्र में ब्राउन शुगर व शराब धंधेबाजों पर सख्त कार्रवाई की जानकारी दिया।बैठक में सीडीपीओ ओणम, मनरेगा पीओ शशी कुमारी, बीपीआरओ बीरेंद्र कुमार,एलईओ दीपक कुमार,प्रखंड पशुपालन पदाधिकारी डॉ. कुश कुमार ने अपने - अपने विभागों के योजनाओं के बारे में जानकारी दिया। बैठक का समापन से पहले पहलगाम में मारे गए पर्यटकों व शाहिद सैनिकों के सम्मान में दो मिनट मौन रखा गया। बैठक में प्रखंड प्रमुख श्रीनिवास सिंह, उपाध्यक्ष चंद्रेश पटेल, पीएचईडी उपेंद्र कुमार,सांसद प्रतिनिधि कृष्णा भारती, विधायक प्रतिनिधि सचिन कुमार, बीरभद्र सिंह,जयकृष्ण पटेल,सतीश चन्द्र वंशी , श्रीकांत वर्मा, ललन पंडित,गंगादेयाल पासवान ,पूनम देवी, राधिका सोनी सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

# भीषण गर्मी में कैसे बुझेगी लोगों की प्यास, भीखाडीह वार्ड नंबर 15 में जल नल योजना हुआ फेल

**शुद्ध पानी के लिए पानी की तरह बहा दिए गए सरकारी राशि, फिर भी लोगों को नहीं मिला पानी**

रंजीत कुमार विद्यार्थी

मुंगेर : मुंगेर जिले के संग्रामपुर प्रखंड अंतर्गत ददरीजाला पंचायत स्थित वार्ड संख्या 15 भीखाडीह के लोग नल जल योजना से शुद्ध पानी की आस लगाए बैठें हैं। जल आपूर्ति को लेकर सभी चिंतित हैं। वार्ड में नल जल नहीं पहुंचा है। इस वार्ड के सभी घरों में लोग पानी का इंतजार कर रहे हैं। नल जल योजना के लाभुकों को प्यास बुझाने के लिए दूसरा विकल्प ढूंढना पड़ रहा है। योजना मद पर लाखों रुपये खर्च करने के बाद भी लोगों की प्यास नहीं बुझ रही है। जल के लिए कनेक्शन और नल तो लगाए गए, लेकिन जलापूर्ति नहीं होने से लोग निराश हैं। लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग से भी कई बार शिकायत की गई पर स्थिति जस की तस बनी हुई है। सात निश्चय योजना से जलापूर्ति के लिए एक वर्ष में दो बार बोरिंग कराया गया, लेकिन दोनों पर फेल गया है। अब तक इस वार्ड में पेयजल आपूर्ति शुरू नहीं हुई है और संवेदक ने पेयजल आपूर्ति की राशि भी निकासी कर ली। विभाग के निर्देश पर संवेदक ने जलापूर्ति के लिए पाइप बिछाई और घर-घर नल का कनेक्शन भी दिया। इसके बाद भी गरीब परिवारों को प्यास बुझाने के लिए मशक्कत करनी पड़ रही है। इसके लिए वार्ड सदस्य उमा देवी व वार्ड वासियों ने लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग व संवेदक को दोषी ठहरा रहे हैं। लोगों का आरोप भी लाजिमी है। घर के आगे लगा नल शोभा की वस्तु बनकर रह गया है। नल जल योजना के वार्ड में क्रियान्वयन होने से लोगों में जल संकट की समस्या से निजात मिलने की आस जगी थी पर सपना पूरा नहीं हो सका। संपन्न परिवार वालों ने चापाकल लगा लिया पर गरीब परिवारों को दूसरे के चापानल या नदी पर ही निर्भर रहना पड़ रहा है।

**बोले ग्रामीण, सरकारी राशि का हुआ दुरुपयोग**

कपिल देव दास ने कहा कि यह वार्ड महादलित बहुल है। मोटी राशि खर्च होने के बाद भी वार्ड के लोग

पेयजल से दूर हैं। चापानल या नदी पर सभी को निर्भर रहना पड़ता है। प्रशासन को इस ओर ध्यान देने की जरूरत है। वही विकास बर्मा ने बताया कि विभागीय अधिकारी व संवेदक की मिलीभगत से बोरिंग कराने में बरती गई अनियमितता की वजह से पानी की किल्लत है। गर्मी ने अभी दस्तक ही दिया है। चापाकल से काफी मशक्कत के बाद पानी निकलता है और नदी भी सुख रही है। पीएचईडी से कई बार नल जल योजना को दुरुस्त करने की फरियाद किया गया। लोगों के फरियाद को अनसुना कर दिया। रामचंद्र साह ने कहा कि जलापूर्ति के लिए घर-घर लगाए गए नल कोई काम का नहीं है। सिर्फ दिखावा बनकर रह गया है। एक भी दिन जलापूर्ति हो जाती तो सपना साकार हो जाता। विभागीय अधिकारी व संवेदक को दोषी ठहराना अतिशयोक्ति नहीं है। सविता देवी ने बताया कि दोनो बोरिंग को दिखाते हुए बोली यहां नल जल योजना पूरी तरह से धाराशायी है। इस पर न तो प्रशासन और ना ही जनप्रतिनिधियों की नजर है। जलापूर्ति के नाम पर सरकारी राशि का दुरुपयोग किया गया है।

**क्या कहते हैं वार्ड सदस्य**

संबंधित वार्ड के वार्ड सदस्य ने बताया कि योजना में अधिकारी व संवेदक की मिलीभगत से व्यापक तौर पर अनियमितता बरती गई है। जलापूर्ति तो कभी हुआ नहीं, लेकिन इस योजना के राशि की निकासी कर संवेदक फरार हो गया। जो कभी लौट कर देखने भी नहीं आया। जबकि पांच वर्ष नल जल योजना की देखरेख करना संवेदक की जिम्मेदारी है। जिला प्रशासन को इसकी जांच करानी चाहिए। जिलाधिकारी से जांच की मांग की है।

# बेगूसराय में भीषण डकैती, लाखों के जेवरात और पांच नगदी ले गए डकैत

**एक ही परिवार के चार सदस्यों को हाथ और पैर बांध मुंह में कपड़े ठूंस डकैतों ने दिया घटना को अंजाम**

**चारों तरफ से गेट में ताला लगाकर डकैतों ने की रॉड, लाठी और डंडे से मारपीट**

**बेगूसराय** ब्यूरो। लाखो थाना क्षेत्र के मंझलापुर गांव में 15 मई शाम नन्दकिशोर दास के घर में डकैतों ने घुसकर पांच लाख नगद, पांच भरी सोने के जेवरात, दस भरी का पायल और आठ बिछिया डकैती कर ली। पहले तो डकैतों ने नन्दकिशोर दास, पत्नी ममता देवी और पुत्री अंजली कुमारी और गुड़िया कुमारी को रस्सी से हाथ और पैर बांध दिया। उसके बाद डकैतों ने रॉड, लाठी और डंडे से मारपीट की। शोर मचाने पर उन्होंने सबको मुंह में कपड़ा ठूंस दिया। यहां तक कि डकैतों ने उत्तरी दोनों गेट, सीढ़ी वाला गेट, घर का मेन गेट में ताला लगाकर घटना को अंजाम दिया। शोरगुल का आवाज पर आसपास के लोग गेट तक पहुंचे, लेकिन गेट

में ताला लगा होने के कारण पीड़ितों को कोई मदद नहीं कर सके। यहां तक कि डकैतों ने आसपास के लोगों को गवाही देने पर जान से मार देने की धमकी दी। इस संबंध में पीड़ित नन्दकिशोर दास ने एसपी को आवेदन देकर प्राथमिकी दर्ज कराने की मांग की। पीड़ित ने आवेदन पत्र में बताया कि 15 मई की शाम लाखो थाना कांड संख्याः 69/25 का अनुसंधान करने मुफस्सिल थाना के इंस्पेक्टर पहुंचे थे। उनके जाने के बाद उक्त कांड के आरोपियों ने कहा कि मेरे दरवाजे पर पुलिस क्यों आया की बात पर मारपीट करने लगा। उसके बाद सभी गेट में ताला लगाकर घटना को अंजाम दिया। इस घटना में आनन्द मोहन दास, विश्वनाथ दास, मदन मोहन दास, जनार्दन दास समेत लगभग आधा दर्जन महिलाओं को आरोपित किया गया। इस घटना को मुफस्सिल थाना के इंस्पेक्टर को भी आवेदन देकर जानकारी दी।

# सेहत केंद्र व राष्ट्रीय सेवा योजना का ओर से चिड़िया को पीने के लिए की पानी की व्यवस्था

**आपसी सहयोग से मिट्टी के पात्र में किया गया पाइन की पानी की व्यवस्था**

नन्दकिशोर दास

बेगूसराय ब्यूरो। जीडी कॉलेज के राष्ट्रीय सेवा योजना व सेहत केंद्र के स्वयंसेवकों के द्वारा अनूठा पहल करते हुए पक्षी मित्र अभियान की शुरूआत की गई।इस अभियान के अंतर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के पार्क में इस भीषण गर्मी में चिड़िया रानी के पीने हेतु पानी की व्यवस्था की गई। कार्यक्रम का नेतृत्व कर रही राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी सह सेहत केंद्र की नोडल ऑफिसर डॉ. सहर अफरोज ने बताया कि सभी स्वयंसेवक के सहयोग के कारण ही हमलोग बेजुबान जानवर के लिए कुछ बेहतर कर पा रहे हैं।पशु-पक्षी हमारे पर्यावरण के अभिन्न अंग हैं। उनकी देखरेख की जिम्मेदारी व सुरक्षा करना हमारा नैतिक दायित्व है। पियर एडुकेटर सुमित कुमार ने कहा कि इस भीषण गर्मी में लोग तो इधर-

उधर जाकर अपनी प्यास को बुझा सकते हैं, लेकिन बेजुबान जानवर आखिर कहां जाएंगे। उनके लिए हम सभी को व्यवस्था करना पड़ेगा। स्वयंसेवक नीतीश कुमार ने बताया हम सभी स्वयंसेवक ने मिलकर जीडी कॉलेज के राष्ट्रीय सेवा योजना पार्क में चिड़िया रानी के पीने हेतु पानी की व्यवस्था की है ताकि ये बेजुबान जानवर इस भीषण गर्मी में अपनी प्यास बुझा सके। कार्यक्रम के दौरान अजित कुमार, नीतीश कुमार, सुमित कुमार, गुलशन, आयुष पटेल, गौरव, नयन राज, रौशन कुमार, अभिनव, शिवानी, सोनी, सफक इरशाद, नैना कुमारी, अंजली कुमारी, लक्ष्मी कुमारी सहित अन्य स्वयंसेवक मौजूद थे।

# किसानों को पुश्तैनी जमीन पर खेतीबाड़ी के लिए संरक्षण दें प्रशासन: माले

**रैयतों के पक्ष में काम नहीं कर दबंगों के बचाव में गलत रिपोर्ट कर जिला प्रशासन को भी बरगलाने का कार्य कर रहे हैं सीओ**

नन्दकिशोर दास

बेगूसराय ब्यूरो। अखिल भारतीय किसान महासभा और भाकपा-माले ने समाहरणालय द्वार पर शुक्रवार को प्रदर्शन किया। जिसमें तेतरी के किसानों की थाना नंबर 297 की पुश्तैनी जमीन पर दबंगों व अंचल प्रशासन की सांठ-गांठ से बेदखल करने की साजिश के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की गई। साथ ही किसानों को जोत-आबाद करने के लिए प्रशासनिक संरक्षण देने की बात कही। सरकारी जमीन पर बसे गरीबों को वासभूमि-आवास देने की मांग की। प्रदर्शन में शामिल किसानों और गरीब-भूमिहीन मजदूर परिवारों को संबोधित करते हुए भाकपा माले के जिला सचिव दिवाकर प्रसाद ने कहा कि सैकड़ों किसानों की जमीन गंडक कटाव के कारण नदी में समाहित हो गया था। जिससे

भूखमरी की समस्या झेल रहे हैं। 2017 में बिहार सरकार के आदेशानुसार नदी से उबड़े जमीन पर पुश्तैनी किसानों खेतीबाड़ी का कानूनी अधिकार बनता है। इसी सवाल को लेकर किसानों ने स्थानीय जिला प्रशासन और बिहार सरकार से गुहार लगाई थी। जिलाधिकारी के आदेश पर स्थानीय पदाधिकारी सरकारी अमीन भेजकर जमीन की पैमाइश कर जमीन की सीमांकन कराया। इसी क्रम में स्थानीय दबंग लोगों ने किसानों के साथ मारपीट कर घटना को अंजाम दिया। उन्होंने जिला प्रशासन और राज्य सरकार से किसानों को खेतीबाड़ी करने में प्रशासनिक संरक्षण की मांग की। किसान महासभा के जिलाध्यक्ष नवलकिशोर की अध्यक्षता में संचालित प्रदर्शन को किसान महासभा के जिला सचिव बैजू सिंह, भाकपा-माले नगर सचिव राजेश श्रीवास्तव, खेग्रामस का जिला सचिव चन्द्रदेव वर्मा, जसम राज्य सचिव दीपक सिन्हा, ललित यादव, गौड़ी पासवान, रामकुमार तांती, आईसा राज्य उपाध्यक्ष अजय कुमार, किसान दिवाकर कुमार, सकलदेव यादव, करण सिंह, रामउदगार झा सहित दर्जनों वक्ताओं ने संबोधित किया। वक्ताओं ने कहा कि अंचलाधिकारी रैयतों के पक्ष में काम नहीं कर दबंगों के बचाव में कार्रवाई कर रहे हैं। गलत रिपोर्ट कर जिला प्रशासन को भी बरगलाने का कार्य कर रहे हैं। जिला प्रशासन ऐसे अंचलाधिकारी पर कार्रवाई करे।

### जानलेवा बनी है आलमचक भवानीपुर साठा पथ का स्पीड ब्रेकर

मिन्टू कुमार

मंसूरचक, बेगूसराय। सुरक्षा के लिए बनाया गया स्पीड ब्रेकर आम लोगों के लिए खतरा पैदा करने लगा है। इस स्पीड ब्रेकर पर हर रोज लोग दुर्घटना के शिकार हो रहे हैं। शुक्रवार की दोपहर में भी बाइक सवार एक युवक इस स्पीड ब्रेकर की शिकार होकर बुरी तरह जख्मी हो गया। इस स्पीड ब्रेकर के पास बराबर घटनाएं घटती रहती है। मौके पर मंसूरचक के पूर्व मुखिया वर्तमान मुखिया प्रतिनिधि सह जिला महासचिव राजद अरमान कुरैशी ने बताया कि आलमचक भवानीपुर साठा गुमटी संख्या 28 की ओर जाने वाली पथ पर अवैध तरीके से 48 स्पीड ब्रेकर है। राहगीर ऐसे स्पीड ब्रेकर के कारण गिरकर घायल हो जाते हैं। अगर समय रहते इसपर कार्रवाई नहीं हुई तो बड़ा हादसा हो सकता है। वाहन चालकों ने प्रशासन से मांग की है कि अवैध तरीके से बने स्पीड ब्रेकर को हटाया जाय। स्थानीय लोगों का कहना है कि बिना किसी आदेश और नियम के इन ब्रेकरों का निर्माण किया गया है। लेकिन अब तक प्रशासन की ओर से कोई संज्ञान नहीं लिया गया है। जिससे लोगों में भयंकर आक्रोश देखा गया है। ग्रामीणों और चालकों ने जिला प्रशासन से इस मामले में त्वरित कार्रवाई की मांग की है। ताकि लोगों की जानमाल की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

# बिहार की सशक्त बेटियां कर रहीं राज्य की सुरक्षा : संजय कुमार झा

पटना , ।बीते शुक्रवार का दिन पूरे बिहार के लिए शानदार रहा। पूरा बिहार खुशी से झूम रहा था, क्योंकि खबर ही कुछ ऐसी थी। बिहार पुलिस सिपाही भर्ती के रिजल्ट में बेटियों ने इतिहास रच दिया। 21,391 चयनित अभ्यर्थियों में 11,178 बेटियां हैं। यह खबर सिर्फ आंकड़ों की नहीं, बल्कि उन बेटियों के सपनों, संघर्षों और हौसले की कहानी है, जिन्होंने समाज की रूढ़िवादी सोच को तोड़कर अपनी मंजिल पाई है। जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा ने कहा कि इन बेटियों के लिए यह सिर्फ एक नौकरी नहीं, बल्कि उनके स्वाभिमान और अस्तित्व की नई पहचान है। कल तक जिन बेटियों की पूरी जिंदगी घर की चार दीवारी तक थी, जिनकी पढ़ाई पूरी होने से पहले ही शादी की बात शुरू हो जाती थी, आज वही बेटियां बिहार पुलिस की वर्दी पहनकर बिहार की सेवा के लिए तैयार हैं। यह बदलाव अपने आप नहीं आया। इसके पीछे नीतीश कुमार जी की सोच, समर्पण और प्रयासों का नतीजा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सरकारी नौकरी में 35% महिला आरक्षण नीति लागू कर बिहार की बेटियों को नई उड़ान दी। आज बिहार पुलिस में महिला पुलिसकर्मियों की संख्या देश में सबसे अधिक है, जो नीतीश सरकार के महिला सम्मान और रोजगार के प्रति समर्पण को दिखाता है। इन बेटियों की सफलता की कहानी सुनकर हर किसी का सीना गर्व से चौड़ा हो जाता है। पर थोड़ा रुकिए और सोचिए, उन बेटियों के लिए यहां तक का सफर इतना आसान नहीं था, कितने तानों को उन्होंने सुना होगा, समाज ने उनसे क्या कुछ नहीं कहा होगा, पर उन्होंने हार नहीं मानी। लड़कियां पुलिस में क्या करेंगी? उनका वहां क्या काम? उनकी जल्दी से शादी करवा दो? जैसे सवालों का जवाब

उन्होंने अपनी मेहनत और लगन से दिया। रात-रात जागकर पढ़ाई की, समाज की पिछड़ी सोच को चुनौती दी, हर कदम पर संघर्ष का सामना किया। जब वे अपने परिणाम देखकर खुशी से झूम रही हैं, तो उनके परिवारों की आंखों में भी गर्व के आंसू हैं। नीतीश सरकार का यह प्रयास सिर्फ नौकरी देने तक सीमित नहीं है। यह एक सामाजिक क्रांति है, जिसने बिहार की बेटियों को नई पहचान दी। यह परिणाम उन माताओं के लिए भी गर्व का पल है, जिन्होंने अपनी बेटियों के सपनों को पंख दिए। उन पिता के लिए, जिन्होंने समाज के तानों को नजरअंदाज कर अपनी बेटियों का हौसला बढ़ाया। इन सभी के बातों के आलावा नीतीश सरकार की पहल बेटियों के जीवन में नई सुबह बनकर आई। उनके फैसलों ने बेटियों को सिर्फ सपने देखने की नहीं, बल्कि उन्हें हकीकत में बदलने की ताकत दी। बिहार की ये बेटियां सिर्फ सिपाही नहीं, बल्कि प्रेरणा की मिसाल हैं।

## संक्षिप्त समाचार

### बीआरबीसीएल में स्वच्छता पखवाड़ा 2025 का कार्यक्रम शुभारंभ किया गया

**रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह**

औरंगाबाद (नबीनगर) :- जिले के नबीनगर बीआरबीसीएल (इफ्ष्ठउछ) में स्वच्छता पखवाड़ा की शुरूआत 16 मई 2025 से हुई। पहले दिन महाबोधि सभागार में 'स्वच्छ भारत शपथ' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाप्रबंधक (प्रचालन एवं अनुरक्षण) श्री बी.के. साहा, सभी विभागों के प्रमुख एवं अन्य कर्मचारीगण उपस्थित रहे। शपथ लेने के पश्चात सभी उपस्थित लोगों ने अपने आस-पास स्वच्छता बनाए रखने और स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने पर चर्चा की। यह स्वच्छता पखवाड़ा 16 मई से 31 मई 2025 तक बड़े उत्साह और सक्रियता के साथ मनाया जाएगा। इस पखवाड़े के दौरान बीआरबीसीएल टाउनशिप परिसर एवं प्लांट क्षेत्र में व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। इसके अतिरिक्त विभिन्न प्रतियोगिताओं एवं रचनात्मक गतिविधियों का आयोजन भी किया जाएगा। कर्मचारियों, टाउनशिप की महिलाओं एवं स्कूल के छात्रों के लिए विशेष कार्यक्रमों की श्रृंखला रखी गई है, जिनमें कला प्रतियोगिता, स्लोगन लेखन, सुलेख, बेस्ट आउट ऑफ वेस्ट जैसे कई रचनात्मक आयोजन शामिल होंगे। इन गतिविधियों के माध्यम से स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ाने और सभी को इस अभियान से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा।

### नये पैनल अधिवक्ताओं के चयन के लिए साक्षात्कार की तिथि घोषित

**दिनांक 20.05.2025 एवं 21.05.2025 को आयोजित होगा साक्षात्कार – सचिव**

**रिपोर्ट– प्रमोद कुमार सिंह**

औरंगाबाद :- जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव तान्या पटेल द्वारा बताया गया कि प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह प्राधिकार के अध्यक्ष श्री राजकुमार के अनुमोदन के उपरान्त जिला विधिक सेवा प्राधिकार, औरंगाबाद एवं अनुमण्डलीय विधिक सेवा समिति, दाउदनगर के लिए नये पैनल अधिवक्ताओं के चयन के लिए साक्षात्कार की तिथि घोषित कर दिया गया है। सचिव द्वारा बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकार, औरंगाबाद अन्तर्गत पैनल अधिवक्ताओं का साक्षात्कार क्रमांक 01 से लेकर 60 तक के अधिवक्त अभ्यर्थियों का दिनांक 20.05.2025 को अपराह्न 12.30 बजे से प्रारम्भ होगा तथा शेष क्रमांक 61 से 83 तक के अभ्यर्थियों का साक्षात्कार दिनांक 21.05.2025 को अपराह्न 12.30 बजे से शुरू होगा तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकार, औरंगाबाद के लिए सभी अभ्यर्थियों का साक्षात्कार सम्पन्न होने के बाद अनुमण्डलीय विधिक सेवा समिति, दाउदनगर के लिए पैनल अधिवक्ताओं का साक्षात्कार प्रारम्भ होगा। ज्ञातव्य है

कि दिनांक 20.04.2025 तक विद्वान अधिवक्ताओं से पैनल अधिवक्ता के चयन के लिए आवेदन की मांग की गयी थी जिसके अन्तर्गत जिला विधिक प्राधिकार, औरंगाबाद के लिए कुल 83 अधिवक्ता अभ्यर्थियों से सम्बन्धित आवेदन प्राप्त हुआ है तथा अनुमण्डलीय विधिक सेवा समिति, दाउदनगर के लिए कुल 31 अधिवक्ता अभ्यर्थियों का आवेदन प्राप्त हुआ है। सचिव द्वारा यह भी बताया गया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकार औरंगाबाद के लिए 30 पैनल अधिवक्ता तथा अनुमण्डलीय विधिक सेवा समिति, दाउदनगर के लिए 25 पैनल अधिवक्ताओ का चयन किया जाना है और साक्षात्कार से सम्बन्धित सूचना को विधि संघ एवं अधिवक्ता संघ, औरंगाबाद तथा विधि संघ, दाउदनगर के सूचना-पट्ट पर विस्तृत ब्यौरे के साथ चश्पा कराया गया है साथ ही साथ जिला

विधिक सेवा प्राधिकार, औरंगाबाद के मुख्य सूचना-पट्ट पर भी सूचना चश्पा किया गया है। सचिव द्वारा बताया गया कि नये पैनल अधिवक्ताओं के चयन के पश्चात निःशुल्क विधिक सहायता ससमय प्रदान करने में आसानी होगी तथा इससे बहुत लोगो को जो मुफ्त कानूनी सहायता प्रदान करने की प्रक्रिया के अन्तर्गत आते हैं उन्हें विधिक सहायता जिला विधिक सेवा प्राधिकार द्वारा मुफ्त उपलब्ध कराया जायेगा। सचिव द्वारा बताया गया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकार के पैनल अधिवक्ता के माध्यम से निःशुल्क अधिवकता उपलब्ध कराया जाता है ताकि जिला विधिक सेवा प्राधिकार अपने लक्ष्यों एवं उदेश्यों जो अन्तिम व्यक्ति तक न्याय पहुचाने की बात करती है कारगर साबित होगा। इसके अतिरिक्त पैनल अधिवक्ताओं के द्वारा समाज के अन्तिम पंक्ति तक न्याय पहूँचाने हेतु उन्हें विधिक रूप से सशक्त करते हुए उन्हें लोक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ एवं विधिक सहायता प्रदान कराने में आसानी होगी और उनके माध्यम से उन्हें न्याय दिलाया जायेगा।

सचिव द्वारा सभी अधिवक्ता अभ्यर्थियों से अपील किया गया है कि निर्धारित समय के अनुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकार अन्तर्गत विधिक सेवा सदन में उपस्थित रहकर साक्षात्कार में शामिल हो। सचिव द्वारा बताया गया की आगामी 13 सितम्बर को आयोजन निर्धारित है जिसमे पैनल अधिवकताओ की भूमिका महत्वपूर्ण होती है लोग इसमें बढ़ चढ़ क्र भाग लेकर वाद को निस्तारित करते और करवाते हैं।

# राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के खेल आयोजनों के लिए तैयार: डीएम

**जिला प्रशासन बेगूसराय द्वारा खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 के सफल समापन पर जीरोमाईल स्थित युवराज होटल में सम्मान समारोह का आयोजन**

**नन्दकिशोर दास**

बेगूसराय ब्यूरो। जिला प्रशासन द्वारा खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 के सफल समापन पर जीरोमाईल स्थित युवराज होटल में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जिला पदाधिकारी तुषार सिंगला, उप विकास आयुक्त सोमेश माथुर, अनुमंडल पदाधिकारी बेगूसराय एवं तेघड़ा, भूमि सुधार उप समाहर्ता सह खेल पदाधिकारी ऐश्वर्य कश्यप, प्रभारी पदाधिकारी जिला गोपनीय शाखा सहित कई पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे। समापन सह सम्मान समारोह के अवसर पर स्थानीय कलाकारों द्वारा गीत-संगीत की प्रस्तुति की गई। खेल पदाधिकारी द्वारा जिला पदाधिकारी को पूरे टूनामेंट के सफल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक कार्यक्रम समापन को लेकर प्रतीक चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया गया। जिला पदाधिकारी ने कहा कि खेलो इंडिया यूथ गेम्स का यह सातवां संस्करण था। जिसमें कुल 28 खेलों को शामिल किया गया था। बिहार में पहली बार खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 का आयोजन हुआ। बेगूसराय के यमुना भगत स्टेडियम बरौनी और आइओसीएल रिफाइनरी स्टेडियम बेगूसराय में पुरुष और महिलाओं का फुटबाल महाकुंभ काफी शानदार रहा। पूरा बेगूसराय जिला फुटबॉल खेल में रंगा रहा। यह आयोजन बेगूसराय के खेल इतिहास में एक स्वर्णिम अध्याय बन गया है। बेगूसराय अब राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर के खेल आयोजनों के लिए पूर्णतः तैयार है। डीएम ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा इस वर्ष खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 के नेशनल फुटबॉल टूनामेंट

के आयोजन की जिम्मेदारी बेगूसराय जिला को दी गई थी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रकवि दिनकर की जन्मभूमि और श्रीकृष्ण सिंह की कर्मभूमि बेगूसराय में आठ अलग-अलग राज्यों की महिला और पुरुष फुटबॉल टीम ने इस राष्ट्रीय आयोजन में भाग लिया। जिससे बेगूसराय खेल जगत में एक नए रूप में उभरा है। उन्होंने कहा कि इस आयोजन ने बेगूसराय में खेल संस्कृति को बढ़ावा दिया है और आने वाले समय में युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इस राष्ट्रीय आयोजन के माध्यम से जिला में खेलों की बुनियादी संरचना को और मजबूत करने तथा युवाओं को राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। केंद्र और राज्य की सरकार खेल और खिलाड़ियों को आगे बढ़ा रही है। डीएम ने कहा कि नेशनल फुटबॉल टूनामेंट में न केवल युवा खिलाड़ियों के प्रतिभा का उत्सव बना, बल्कि यह बेगूसराय की नव ऊर्जा, नव संरचना और नए बेगूसराय का भी जीवंत प्रमाण बन गया। जिला प्रशासन द्वारा इस राष्ट्रीय टूनामेंट के सफल आयोजन के लिए उन्होंने खेल पदाधिकारी बेगूसराय ऐश्वर्य कश्यप और अनुमंडल पदाधिकारी तेघड़ा राकेश कुमार, प्रभारी पदाधिकारी जिला गोपनीय शाखा, किशन कुमार की विशेष रूप से प्रशंसा की। इस आयोजन को सफल बनाने में जुटी पूरी प्रबंधन टीम, वालंटियर्स, पुलिस-प्रशासन, आईओसीएल, पत्रकारों एवं जिलावासियों को धन्यवाद दिया। जिनके सामूहिक प्रयास से यह सफल आयोजन हो सका। खेल पदाधिकारी ने कहा कि राष्ट्रीय फुटबॉल टूनामेंट की मेजबानी बेगूसराय को मिलना जिला पदाधिकारी के ही दृढ़ निश्चय का प्रतिफल है। इसका शानदार समापन उनके कुशल नेतृत्व और मार्गदर्शन का परिणाम है। बताते चलें कि बेगूसराय जिले में खेलो इंडिया यूथ गेम्स 2025 के तहत यमुना भगत खेल स्टेडियम तेघड़ा एवं बरौनी रिफाइनरी स्टेडियम बेगूसराय में फुटबॉल मैच का आयोजन किया गया। जिसमें पुरूष एवं महिला वर्ग के आठ-आठ टीमों ने भाग लिया।फुटबॉल टूनामेंट में पुरूष एवं महिला वर्ग के दोनों फाइनल मैचों में झारखंड की टीम नेशनल चैम्पियन बनी।

## स्वर्गीय कुंदन कुमार सिन्हा की स्मृति में शोक सभा का आयोजन

**दिव्य दिनकर संवाददाता**

मुंगेर। मुंगेर जिले के जमालपुर सरस्वती विद्या मंदिर, दौलतपुर, जमालपुर के पूर्व सचिव एवं विद्या भारती परिवार के समर्पित कार्यकर्ता स्वर्गीय कुंदन कुमार सिन्हा का निधन बीमारी से दिल्ली के अस्पताल में हो गया। उनके निधन की सूचना मिलते ही विद्यालय परिवार में शोक की लहर फैल गई। दिवंगत आत्मा की शांति को लेकर विद्यालय में एक शोक सभा का आयोजन किया गया। इस शोक सभा में विद्यालय परिवार एवं विद्या भारती के अनेक पदाधिकारियों ने उनकी स्मृतियों को साझा किया एवं श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि दी। शोक सभा की शुरूआत दो मिनट के मौन श्रद्धांजलि से हुई, तत्पश्चात पुष्पार्पण कर उनके प्रति सम्मान व्यक्त किया गया। विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के राष्ट्रीय मंत्री डॉ. कमल

किशोर सिन्हा ने उनके बहुमूल्य योगदान की चर्चा करते हुए बताया कि बैंक की नौकरी की नौकरी करते हुए उन्होंने विद्यालय निर्माण और विकास में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उनका समर्पण प्रेरणादायक था। विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति के सचिव चंद्रशेखर खेतान ने कहा कि उनका स्वभाव अत्यंत मृदुल एवं सहज था। विद्यालय के विकास में उनका योगदान सदैव स्मरणीय रहेगा। कोषाध्यक्ष सुधीर सिंह ने कहा कि उनमें नेतृत्व का विशेष गुण था, वे सभी को जोड़कर रखते थे तथा उनका व्यवहार अत्यंत मित्रवत था। आचार्य संजय कुमार ठाकुर ने कहा कि विद्यालय के छात्र एवं छात्राएं उन्हें मंत्री आचार्य जी के नाम से पुकारते थे। अब वे हमारे बीच नहीं रहे, लेकिन उनकी स्मृतियाँ और कार्यशैली हम सभी को प्रेरित करती रहेंगी। उन्होंने 1995 से विद्या भारती से जुड़कर विभिन्न दायित्वों का सफलतापूर्वक निर्वहन किया। समस्त विद्यालय परिवार ने दिवंगत आत्मा की शांति हेतु प्रार्थना की एवं उनके आदर्शों को आत्मसात करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से विद्या भारती के अखिल भारतीय मंत्री डा0 कमल किशोर सिन्हा, विद्यालय प्रबंधकारिणी समिति के संरक्षक बीरेंद्र मंडल, अध्यक्ष डॉ. बच्चन सिंह, उपाध्यक्ष रतन घोष, सचिव चंद्रशेखर खेतान, कोषाध्यक्ष सुधीर सिंह, सदस्या शोभा निशू, समाजसेवी शंकर सिंह, जिला निरीक्षक सतीश कुमार सिंह, सेवा कार्य प्रमुख गंगा चौधरी, प्रधानाचार्य छठु साह, उपप्रधानाचार्य संतोष कुमार सहित विद्यालय के सभी आचार्य-आचार्या एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

## संगठित संयुक्त परिवार स्वर्ग के समान होता है

**संयुक्त परिवार बनायें रखने हेतु जन जागरुकता चलाने का प्रस्ताव पारित**

**रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह**

औरंगाबाद :- जनेश्वर विकास केंद्र ,जन विकास परिषद एवं बासमती सेवा केन्द्र के द्वारा अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस समारोह पूर्वक आयोजित किया गया। समारोह साहित्य संवाद के संयोजक लालदेव प्रसाद की अध्यक्षता और शिक्षक उज्जवल रंजन के संचालन में अधिवक्ता संघ भवन में संपन्न हुई। जनेश्वर विकास केन्द्र के सचिव सिद्धेश्वर विद्यार्थी ने बताया कि समारोह का उद्घाटन मुख्य अतिथियों के कर कमलों द्वारा दीप जलाकर किया गया । मुख्य अतिथियों का स्वागत जन विकास परिषद के उपाध्यक्ष रामचंद्र सिंह, वीरेंद्र कुमार सिंह, अशोक कुमार सिंह ने माल्यार्पण कर किया । स्वागत भाषण जनेश्वर विकास केंद्र अध्यक्ष रामजी ने किया। तत्पश्चात वर्तमान में संयुक्त परिवार की प्रासंगिकता विषय पर संगोष्ठी आयोजित किया गया। मूख्य अतिथि डा सुरेंद्र प्रसाद मिश्रा, कवि लवकुश प्रसाद सिंह ने कहा कि अवसर पर संयुक्त परिवार की प्रासंगिकता पर संगोष्ठी सभा आयोजित हुई। संगोष्ठी सभा के अध्यक्षता करते हुए साहित्यकार सुरेंद्र प्रसाद मिश्र एवं अध्यक्ष रामजी सिंह ने बताया कि परिवार बिना जीवन संभव नहीं है। व्यक्ति को जीवन के हर पड़ाव पर परिवार की जरूरत होती है। ऐसे में परिवार के प्रति लोगों में चेतना लाने के लिए हर साल 15 मई को अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस मनाया जाता है। सचिव सिद्धेश्वर विद्यार्थी ने बताया कि परिवार बिना जीवन जीना असंभव है। परिवार ही समाज के साथ हमें जोड़ता है। आगे बढने के लिए प्रेरणा देता है। बुरे से बुरे वक्त में हमारे साथ खड़ा रहता है। इंसानों को जीवन के हर मोड़ पर परिवार की जरूरत होती है। ऐसे में परिवार से संबंधित मुद्दों के प्रति लोगों को जागरूकर करने के उद्देश्य से अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस मनाया जा रहे हैं। साहित्य संवाद के अध्यक्ष लालदेव प्रसाद ने कहा कि जहां परिवारों में एक जुटता है वह घर स्वर्ग समान है, कविवर लवकुश प्रसाद ने अपने नुक्कड़ नाटक से आज के प्रवेश को बताने का प्रयास किया जो कि पूरे सभा को हृदय द्रवित कर दिया उनका भावुक अभिनय सभी लोगों को दिल छू लिया। कला कौशल के संयोजक आदित्य श्रीवास्तव ने बताया कि कोई भी इंसान कभी भी अपने परिवार के बिना नहीं रह सकता है. किसी कि भी ज़िंदगी की शुरूआत ही परिवार के साथ होती है. माता-पिता, भाई-बहन, दादा-दादी, नाना-नानी समेत कई सारे रिश्ते उन्हें मिलते है जब वो पहली बार इस दुनिया में पहली सांस को लेते है. परिवार ही उसे हर लोगों से जोड़ता है, उस पहचान दिलाता है. परिवार ही आपके अच्छे- बुरे वक्त में आपका साथ देता है, जिसका जीता जागता उदाहरण कोरोना त्रासदी है। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक उज्जवल रंजन ने आज की उन्होंने कहा कि युवा वर्ग को अपने परिवार की सभ्यता और संस्कारों से जुड़ने की जरूरत है तभी हमारे परिवार विखंडित होने से बच सकते हैं। इस मौक पर रामचंद्र सिंह, राजेंद्र सिंह, वीरेंद्र सिंह, ओमप्रकाश पाठक,अशोक सिंह, मधुसूदन तिवारी, अन्य कई लोग मौजूद थे।

# किसानों के हित में फिर से शुरू किया जाए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना

**मुंगेर विकास मंच ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से की मांग**

**दिव्य दिनकर संवाददाता**

मुंगेर । मुंगेर विचार मंच की ओर से बिहार सरकार का ध्यान आकृष्ट करना चाहती है कि बिहार सरकार के अंतर्गत राज्य मे प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना को फिर से किसानो के हित मे फिर से शुरू किया जाए। उक्त बातें मुंगेर विकास मंच के संयोजक रवि मोहन ऊर्फ रवि भगत ने कही। उन्होंने आगे कहा कि सर्वविदित है कि केंद्र सरकार की इस सबसे महत्त्वपूर्ण योजना को भारत के कई राज्यो मे चलया जा रहा है। जबकि बिहार मे एनडीए की सयुंक्त सरकार होते हुए भी इस महत्वपूर्ण योजना को चला पाने मे असक्षम साबित हो रहा है। ज्ञात हो कि यह प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना को चलाने से किसानो को काफी सुविधा और लाभ मिलेगा। इसके साथ ही उत्तर बिहार और पूर्वी बिहार के कई जिले ऐसे है, जो हर साल उनके जमीन बाढ मे डुब जाते है। ऐसे मे इस योजना से इन किसानो को लाभ दिया जा सकता है। भाजपा नेता रवि मोहन उर्फ रवि भगत ने कहा है कि निश्चित रूप से बिहार मे सिर्फ साल 2016-17 मे ही प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना को चलाया गया था। उसके बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भारत सरकार के इस महत्वपूर्ण योजना को बंद कर दिया गया। आज भारत सरकार के कोई भी महत्वपूर्ण योजना को बिहार सरकार चला पाने मे नाकाम है। भाजपा भी अपने आंखो पर पट्टी बाधे हुऐ है। बिहार में डबल इंजन की सरकार रहते हुए माननीय प्रधानमंत्री की योजना को भी दरकिनार कर दिया गया है। मुंगेर विचार मंच किसानो के हित मे यह मांग करती है कि भारत सरकार के इस महत्वकांक्षी प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना को फिर से बिहार मे शुरू किया जाए। ताकि किसान अपने जमीन पर चिन्तामुक्त होकर खेती को कर सके।

# लोक जनशक्ति पार्टी (रामबिलास) के बिहार प्रदेश कार्यालय में प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक आयोजित किया गया

**रिपोर्ट – प्रमोद कुमार सिंह**

पटना :- लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के 01 व्हीलर रोड स्थित बिहार प्रदेश कार्यालय में प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सह पूर्व विधायक राजू तिवारी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। जबकि कार्यक्रम का मंच संचालन पार्टी के प्रधान महासचिव संजय पासवान ने की। कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन पार्टी के संस्थापक पद्मभूषण श्रद्धेय रामविलास पासवान जी के तैल्यचित्र पर माल्यार्पण कर की गई। कार्यक्रम के शुभारंभ में पार्टी के बिहार प्रदेश प्रभारी माननीय सांसद जमुई श्री अरुण भारती जी को शॉल पाग और तलवार भेंट कर प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी ने सम्मानित किया। कार्यक्रम में पार्टी द्वारा 10 सूत्री प्रस्ताव को सर्वसम्मति से पारित किया गया। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पार्टी के सभी उपस्थित कार्यकताओं एवं नेताओं के प्रति अभार जताया और कहा कि पार्टी आज जिस मुकाम पर है उसका श्रेय आप सभी को जाता है। पार्टी में कार्यकताओं का सदैय सम्मान हमारी पहली प्राथमिकता होगी। जिनके बदौलत आज पार्टी पहले से काफी सशक्त और मजबुत हुई है। कार्यक्रम के पश्चात पार्टी के बिहार प्रदेश प्रभारी सह जमुई सांसद अरूण भारती ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री चिराग पासवान को दलितों के नेता की जगह बहुजन के नेता के रूप में स्थापित किया जायेगा। श्री भारती ने राहुल गांधी के बिहार आगमन पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि राहुल गांधी बिहार घूमने आते है। जिस तरह राहुल गांधी जी दरभंगा के दलित छात्रावास में जाकर सिर्फ फोटो सेशन कराकर दलितों के प्रति संवेदनशील होने का ढोंग रचते है। वहीं जहानाबाद के पास मखदुमपुर में जहां दलितों के साथ उत्पीड़न की घटना घटी है, वहां वे जाना जरूरी नही समझते इससे समझा जा सकता है कि दलितों वे कितने हितैषी है। बैठक में पारित सभी प्रस्ताव न केवल पार्टी की राजनीतिक दिशा को स्पष्ट करते हैं, बल्कि सामाजिक न्याय, राष्ट्रहित, बहुजन नेतृत्व, संविधानवाद एवं लोक जनशक्ति पार्टी के संस्थापक, पद्मभुषण स्व0 राम विलास पासवान जी की विरासत को सम्मान देने की हमारी प्रतिबद्धता को भी प्रदर्शित करते हैं। निम्नलिखित प्रस्ताव बिहार प्रदेश के प्रभारी सह जमुई सांसद माननीय श्री अरूण भारती जी एवं प्रदेश अध्यक्ष माननीय श्री राजू तिवारी जी के द्वारा संयुक्त रूप से प्रस्ताव पेश और पारित किया गया। गरीब और पिछड़े वर्गों के सामाजिक-आर्थिक अधिकारों की रक्षा, भारत की सशस्त्र सेनाओं को सम्मान और समर्थन, वामपंथी अराजकता का विरोध, बहुजन-भीम समाज के बड़े

नेता के रूप में राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री माननीय श्री चिराग पासवान जी की सक्रिय भागीदारी और भविष्य की जिम्मेदारी, ह्लबहुजन-भीम संकल्प समागमह्व का आयोजन, बिहार विधानसभा चुनाव 2025-लोजपा(रामविलास) की स्वतंत्र पहचान के साथ भागीदारी, गया अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का नाम ह्लभगवान बुद्ध अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डाह्व किया जाए, निजी क्षेत्र की नौकरियों में आरक्षण का प्रावधान किया जाए, स्व. श्री राम विलास पासवान जी को मरणोपरांत भारत रत्न प्रदान किया जाए, स्व0 राम विलास पासवान जी की प्रतिमा संविधान सदन में स्थापित की जाए, उपरोक्त प्रस्ताव सर्वसम्मति से प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में ध्वनि मत से पारित किया गया। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता डॉ राजेश भट्ट ने प्रेस को बताया कि इस बैठक में मुख्य रूप से पार्टी के संसदीय बोर्ड हुलास पांडे ,राष्ट्रीय महासचिव शंकर झा बाबा ,सत्यानंद शर्मा, धनंजय मृणाल, कृष्ण कुमार सिंह, डॉ शाहनवाज अहमद कैफी, राष्ट्रीय सचिव अरविंद सिंह,अनिल पासवान ,एससी/ एसटी प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजेश पासवान, छात्र प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय अध्यक्ष यामिनी रंजन मिश्रा, राष्ट्रीय प्रवक्ता धीरेंद्र कुमार मुन्ना, झारखंड के चतरा विधायक जनार्दन पासवान, पूर्व विधायक श्याम देव पासवान, प्रदेश उपाध्यक्ष अशरफ अंसारी, विष्णु पासवान,संजय सिंह, सुरेंद्र विवेक, वेद प्रकाश पांडे, सुरेंद्र ठाकुर, सलीम साहिल, रविशंकर पासवान, परशुराम पासवान, प्रिंस मृणाल, मनोज कुमार, शंकर शर्मा, बी एन सिंह नरेश प्रसाद सिंह, शोभा सिंह पासवान, रामप्रवेश यादव, डॉ अजय, इंदू कश्यप ,अमित कुमार रानू, प्रकाश चंद्रा ,इंदिरा सिंह, रानी कुमारी, पंकज पांडे, सत्य प्रकाश कुमार, प्रदेश प्रवक्ता जितेंद्र यादव, कुमार सौरभ सिंह, दिनेश राज, अनुपम पासवान, पार्टी के प्रदेश मीडिया प्रभारी कुंदन कुमार, निशांत मिश्रा समेत पार्टी के सभी प्रदेश उपाध्यक्ष प्रदेश महासचिव प्रदेश सचिव सभी जिलों के जिला अध्यक्ष मौजूद थे।

# हां तलाक हो चुका है, 4 साल पहले...23 साल की रीम शेख का चौंका देने वाला खुलासा

टीवी की मशहूर एक्ट्रेस रीम शेख इन दिनों कलर्स टीवी के 'सेलिब्रिटी लाफ्टर शेफ्स' में खूब धूम मचा रही हैं. हमेशा अपनी बातों से सभी का खूब मनोरंजन करने वाली रीम ने हाल ही में अपनी मां के साथ किए एक पॉडकास्ट में खुद की पर्सनल लाइफ के बारे में हैरान करने वाले खुलासे किए हैं. रीम ने इस वीडियो अपने मम्मी-पापा के तलाक से लेकर अपनी सौतेली बहन के बारे में खुलकर बात की है. उन्होंने बताया कि उनकी मां का चार साल पहले तलाक हो गया है और उन्होंने ही अपनी मां से ये तलाक लेने के लिए कहा था. दरअसल रीम की मां शीतल हिंदू हैं, जबकि उनके पिता समीर शेख मुस्लिम हैं. अलग धर्मों के होने के बावजूद उनके घर में पूजा और नमाज दोनों ही होती थी.

रीम ने पॉडकास्ट में कहा, मेरे मम्मी-पापा अब एक साथ नहीं रहते और उनका तलाक हो चुका है. इस वीडियो के जरिए मैं उन सभी अटकलों पर फुल स्टॉप लगाना चाहती हूं, ताकि अब लोग हमारे बारे में गलत तरह की बातें करना और आपस में गॉसिप करना बंद करें. दरअसल मेरे मम्मी-पापा चार साल पहले ही एक दूसरे से अलग हो चुके हैं और हम सभी इस सदमे से उबर चुके हैं, लेकिन आज भी कुछ लोग इस बारे में बातें करते रहते हैं.

**सौतेली बहन के राज से उठाया पर्दा**

रीम ने आगे बताया कि उनकी एक सौतेली बहन भी है, जिसके साथ उनका बहुत अच्छा रिश्ता रहा है और वे अक्सर अपनी इस बहन के साथ फोटो भी शेयर करती हैं. दरअसल रीम की मां ने दूसरी शादी की है और ये उनकी दूसरी बेटी है. रीम ने इस बारे में बात करते हुए कहा कि अक्सर मेरी प्रोफाइल पर कई लोग कमेंट करते हुए पूछते हैं कि रीम और उसकी मां के साथ दिखने वाली दूसरी लड़की कौन है? तो मैं अब सबको बताना चाहती हूं कि वो मेरी सौतेली बहन है और पेशे से वो एक एयर होस्टेस है. मैं उसे सिर्फ अपनी बहन ही नहीं मानती, वो मेरे लिए बहन से कहीं बढ़कर है.

**ट्रोलिंग पर क्या बोलीं?**

रीम का कहना कि उनकी मां को बहुत बार सोशल मीडिया पर काफी ट्रोल किया जाता है. उन्होंने कहा, मेरी मां को खूब ट्रोल किया जाता है, और ये सिलसिला अभी भी जारी है. लोग उनकी फोटो पर कमेंट करते हैं कि आपने अपनी बेटी की ड्रेस क्यों पहनी है? क्या आपको शर्म नहीं आती कि आप अपनी बेटी के कपड़े पहनकर घूम रही हो? अब हम दोनों की हाइट एक जैसी है, हमारा बॉडी टाइप एक जैसा है, तो हम एक-दूसरे के कपड़े क्यों नहीं शेयर कर सकते? क्या लोगों के पास इतना समय होता है कि वो अब ये सब भी नोटिस कर रहे हैं? लेकिन अब तो हम इन बातों पर हंसते हैं, हालांकि शुरुआत में मुझे ये सब देखकर बहुत गुस्सा आता था.

## 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' में बड़ा ट्विस्ट, अभिरा-अरमान के फैंस का टूटेगा दिल

टीवी का सुपरहिट सीरियल 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' इन दिनों दर्शकों को अपनी कहानी से बांधे हुए है. आए दिन स्टार प्लस के इस शो में कुछ ऐसा हो रहा है कि जिसकी वजह से दर्शक अपनी नजरें स्क्रीन से हटा नहीं पा रहे हैं. लेकिन अब इस कहानी में एक ऐसा मोड़ आने वाला है, जो अरमान और अभिरा के चाहने वालों का दिल तोड़ सकता है. अभिरा और अरमान की बेटी पूकी आखिरकार घर आ गई है. लेकिन अरमान को इस बात का जरा भी भरोसा नहीं है कि अभिरा अपनी मासूम बच्ची की देखभाल ठीक से कर पाएगी.ये रिश्ता क्या कहलाता है में होने वाले इस हाई-वोल्टेज ड्रामे चलते राजन शाही का ये शो जल्द ही 5 से 7 साल का लीप लेगा. यानी अभिरा और अरमान की कहानी 5 साल आगे बढ़ जाएगी.सीरियल में आने वाले इस लीप के बाद अरमान और अभिरा की बेटी पूकी भी बड़ी हो जाएगी. लेकिन इसके साथ ही एक बड़ा झटका उन्हें लगने वाला है कि अभिरा और अरमान हमेशा के लिए एक-दूसरे से अलग हो जाएंगे.

**अलग हो जाएंगे अभिरा और अरमान?**

दरअसल, 'ये रिश्ता क्या कहलाता है' के नए प्रोमो में सीरियल में आने वाले लीप की एक झलक भी देखने मिली है. प्रोमो में दिखाया गया है कि पूकी की तबीयत खराब हो जाती है, जिससे अभिरा बहुत परेशान हो जाती है. तभी अरमान वहां आता है और वह अभिरा को जमकर बुरा-भला कहता है. अरमान गुस्से में इतना ज्यादा बौखला जाता है कि वो अभिरा की मां बनने की क्षमता और उसके मातृत्व पर भी सवाल खड़े कर देता है.

**जल्द आएगा बड़ा ट्विस्ट**

सीरियल के प्रोमो में आगे दिखाया जाता है कि गुस्से से आगबबूला अरमान अभिरा से उसकी बच्ची को छीन लेता है. वो कहता है कि शायद पूकी रूही के साथ सहज महसूस नहीं कर रही है. अरमान ये भी कहता है कि अभिरा का पूकी के साथ कोई रिश्ता नहीं है, क्योंकि अभिरा ने उसे जन्म नहीं दिया है. वो अपनी ही बच्ची के लिए महज एक अजनबी है.

**टूट जाएगी अभिरा**

जाहिर है, अरमान की ऐसी दिल तोड़ने वाली बातें सुनकर अभिरा पूरी तरह से टूट जाएगी. अब ऐसा लग रहा है कि बच्ची की वजह से दोनों के रिश्ते में इतनी कड़वाहट आ जाएगी कि आखिरकार दोनों एक दूसरे से अलग हो जाएंगे.

## अनुष्का शर्मा की गोद में दिखे अकाय, वामिका भी आई नजर, विराट कोहली संग कहां घूमने निकलीं एक्ट्रेस?

बॉलीवुड की जानी-मानी एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा हाल ही में अपने पति और दिग्गज क्रिकेटर विराट कोहली के साथ वृंदावन के मशहूर संत प्रेमानंद जी महाराज के आश्रम पहुंची थीं. जबकि अब एक बार फिर से अनुष्का शर्मा और विराट कोहली साथ नजर आए हैं. दोनों अनुष्का की मां के घर पहुंचे थे. इतना ही नहीं कपल के साथ उनके दोनों बच्चे भी मौजूद थे. लाडले अकाय जहां मां की गोद में नजर आए तो वहीं वामिका पास में ही खड़ी हुई थीं.

**नानी के घर पहुंचे अकाय-वामिका**

सोशल मीडिया पर विराट कोहली और अनुष्का शर्मा का एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है. इसमें दोनों के साथ अकाय और वामिका भी मौजूद हैं. बताया जा रहा है कि अनुष्का पति और बच्चों के साथ अपनी मां के घर पहुंची हैं. अनुष्का की मां ने अपने नाती अकाय को देखते ही उन्हें अपनी गोद में ले लिया. सोशल मीडिया पर ये वीडियो काफी पसंद किया जा रहा है.

**अकाय-वामिका के बिना प्रेमानंद महाराज से मिले थे विराट-अनुष्का**

अनुष्का और विराट जब अनुष्का की मां के घर पहुंचे तो उनके साथ दोनों बच्चे मौजूद रहे. लेकिन हाल ही में जब दोनों संत प्रेमानंद महाराज से मिलने पहुंचे थे तो उनके साथ अकाय और वामिका नहीं थे. हालांकि इससे पहले इसी साल जनवरी में दोनों ने जब संत प्रेमानंद महाराज से मुलाकात की थी, तब वो अपने साथ अकाय और वामिका को भी लेकर आए थे.

**'चकदा एक्सप्रेस' है अनुष्का की अगली फिल्म**

अनुष्का शर्मा लंबे समय से फिल्मों से दूर हैं. वो अपना पूरा टाइम फिलहाल फैमिली के साथ बिता रही हैं. हालांकि उनकी फिल्म 'चकदा एक्सप्रेस' का फैंस को लंबे समय से इंतजार है. इसमें एक्ट्रेस भारत की पूर्व क्रिकेटर झूलन गोस्वामी के किरदार में नजर आने वाली हैं. बताया जा रहा है कि एक्ट्रेस इसका शूट पूरा कर चुकी हैं. पहले इसकी रिलीज टाल दी गई थी. अब देखना होगा कि ये पिक्चर कब रिलीज होती है.

**विराट के टेस्ट रिटायरमेंट पर भावुक हुई अनुष्का**

विराट कोहली ने हाल ही में टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लिया था. इसके बाद फैंस के साथ ही अनुष्का भी इमोशनल हो गई थीं. उन्होंने इंस्टाग्राम स्टोरी पर अपने पति के लिए लिखा था, इसलिए टेस्ट क्रिकेट में वही सफल हुए जिनके पास कुछ कहने को कोई कहानी थी. लंबी कहानी जो गीली, सूखी, देशी, विदेशी हर पिच पर लिख कर भी खत्म न हो.

## स्पेन के क्लब में मिस्ट्री मैन के साथ रोमांस करती दिखीं प्रियंका चाहर चौधरी अंकित के फैंस भड़क गए

पिछले कुछ समय से प्रियंका चाहर चौधरी और अंकित गुप्ता के ब्रेकअप की खबरें आ रही हैं. हालांकि, दोनों ने अबतक इस पर खुलकर कुछ भी नहीं कहा है, लेकिन इंस्टाग्राम पर अंकित और प्रियंका दोनों ने ही एक-दूसरे को अनफॉलो जरूर कर दिया है. अब वो दोनों साथ भी नजर नहीं आते हैं. अंकित के साथ ब्रेकअप की खबरों के बीच प्रियंका चाहर का सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें वह मिस्ट्री मैन के साथ एक नाइट क्लब में कोजी होती नजर आ रही हैं. इस वीडियो में दोनों के बीच काफी नजदीकियां नजर आ रही हैं, जिसे देख एक्ट्रेस के फैंस भी हैरान हैं. कुछ फैंस ने गुस्से में आकर प्रियंका को काफी बुरा-भला कहा है.बिग बॉस फेम प्रियंका चाहर चौधरी के मिस्ट्री मैन संग कुछ वीडियोज सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं. ये वीडियोज स्पेन के खूबसूरत शहर इबिजा के हैं, जहां प्रियंका और मिस्ट्री मैन के साथ नाइट क्लब में इंजॉय करती हुई नजर आ रही हैं. इन वीडियो को एक्ट्रेस के फैन क्लब्स ने अपने सोशल मीडिया पेज पर शेयर किया है. इस वीडियो को देखने के बाद ही कुछ प्रियंकित (प्रियंका और अंकित) के फैंस प्रियंका की भर-भरकर बुराई कर रहे हैं. फैंस पूछ रहे हैं कि अंकित गुप्ता से ब्रेकअप के महज कुछ दिन बाद ही प्रियंका किसी और के साथ कैसे इन्वॉल्व हो सकती हैं? कुछ लोग इस वजह से प्रियंका को बहुत घटिया और बुरी बता रहे हैं.

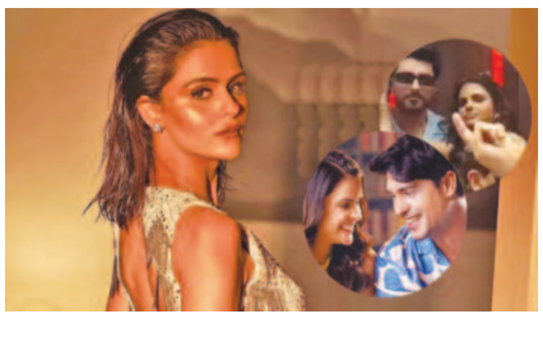

**कौन है प्रियंका का मिस्ट्री मैन**

भले ही अपने इस मिस्ट्री मैन को लेकर प्रियंका चाहर चौधरी की तरफ से कोई पुष्टि नहीं की गई है. लेकिन कुछ यूजर्स का दावा है कि इस मिस्ट्री मैन का नाम डीजे हर्षी है, तो कुछ लोगों ने बताया है कि ये वही शख्स है जो पेशे से एक डॉक्टर है, फिलहाल अमेरिका में सैटल्ड है. प्रियंका 'बिग बॉस' के घर के अंदर अक्सर हर्ष के नाम का जिक्र किया करती थीं. इस वीडियो को देख कुछ लोग यह भी कह रहे हैं कि अंकित गुप्ता और प्रियंका दोनों ने ही जनता को बेवकूफ बनाया. एक्ट्रेस के फैंस उन्हें खूब खरी-खोटी सुनाकर ट्रोल रहे हैं.

**फैन ने कहा घटिया**

इस वीडियो को ङ्ग पर शेयर करते हुए एक यूजर ने लिखा है, प्रियंका चाहर चौधरी, तुम सच में सबसे बुरी और घटिया लड़की हो. मुझे बिग बॉस में तुम्हारा साथ देने का अफसोस है. सच में तुमने एक ऐसे इंसान को धोखा दिया जिसे सच में तुम्हारी परवाह हो? इतना विक्टिम कार्ड किस लिए? तुम्हारा ब्रेकअप हुए अभी एक महीना भी नहीं हुआ है और तुम किसी और लड़के को किस कर रही हो? पागल हो क्या?